दिनूगै पाछी कर देसूं

(राजस्थानी हास्य नाटक संग्रै)

सूरजसिंह पवार

ऋचा इण्डिया पब्लिशर्स
बीकानेर

झरोखो

ब्रह्माजी भरतमुनि नै इसो पाचवों वेद रचण रो केयो जिण मे सूद्र भी भाग लेय सकै। ब्रह्माजी रो सूद्र सू मतलब आम मिनख सू हो। हर मिनख सू हो—हर वरण सू हो। इण सू सिध हुवै क नाटक र रगमच आम जनता री कला हे, जन-कला है। इण रो सीधो अरथ हे' कै रगमच किणी लौठें'र ऊचे लोगा री बपौती कोनी।

नाटककार, निर्देशक, वरिष्ठ रगकर्मी अर चित्रकार भाई सूरजसिंघजी पवार इसा ही नाटक रच रैया है जिका आम जनता खातर हुवै। आरा नाटक आज रै जीवण री समस्यावा सू जूझै, समस्यावा रो मूड पकडै'र उण माथै गैरी चोट करै। पवारजी रा नाटक सामाजिक सरोकार रा नाटक है। आम मिनख इण नाटका में खुद नै देखै—आपरी समस्यावा नै समझ'र उण समस्यावा नै मैटण सारू चेतै। समस्यावा मूळ रा नाटक लिखण में सूरजसिंघजी घणा चतर है। रगमच रो लम्बो ग्यान वारै नाटका नै घणा असरदार बणावै।

श्री सूरजसिंघजी रै नाटका री दूजी खासियत है—कामेडी—हसी, गिलगिली र व्यग्य। आज रै पथरावतै'र मसीनी बणतै जीवण में बै नाटका री मारफत हसी री हरियाळी उगावै, आन-आणद रो इमरत छलकावै, की पल सुख सू जीवणै रो ओसर दिरावै, नाटका सू घणा होकडा पैरियोडा चै'रा वाळा मिनखा नै वारौ साचो रूप देखावै। आज इसा नाटका री जरूरत है जिका दर्शका नै रगमच सू जोड सकै। आपरै नाटका नै लोग चाव सू देखै—ओ रगमच खातर सुभ सकेत है।

श्री सूरजसिंघजी हिन्दी अर राजस्थानी, दोनू भाषावा मे लगै-टगै पचास नाटक रच्या है'र बानै जगा-जगा मचा माथै करया है। जनता बा नाटका नै घणो लाड'र चाव दियो है।

'दिनूगै पाछी कर देसू' सूरजसिघजी रो राजस्थानी हास्य नाटक सग्रह है। इण मे तीन नाटक है। पैलडो नाटक 'दिनूगै पाछी कर देसू' जबरदस्त हास्य नाटक है। इण मे अफसर लोग सरकारी कर्मचारिया सू आपरै घरा मे काम करावै जिका माथै व्होत चोखो व्यग्य है।

दूजो नाटक भी, दो सरकारी अफसर दहेज रै चक्कर में पड'र किया जिन्दगी जीवै, करारो हास्य-व्यग्य है।

तीजो नाटक भी अेक लालची सेठ माथै आधारित है। समाज में बधतै दायजै री लालसा नै लेयर रचियोडो नाटक है। अठै सूरजसिघजी दायजै रो अेक नुवो'र अजूबो पख राख्यो है। भाई सूरजसिघजी रा हास्य अर व्यग्य सू लडालूम अै तीनू ही नाटक घणा दर्शका नै रगमच सू जोडैला।

मानवीय अर आदर्शवादी स्थितिया पैदा कर'र सामाजिक सुधार सारू प्रेरित करणिया आ नाटका रो म्है स्वागत करू। राजस्थानी रा रगमचीय नाटका बिचाळै अै नाटक आपरी न्यारी-निरवाळी ओळखाण बणासी—भाई सूरजसिंघजी नै म्हारी सुभ कामनावा अरपू।

—लक्ष्मीनारायण रगा

म्हारी बात

काईं लिखू ? देस री दुरदसा रो बखाण करू या म्हारी बात कैऊँ। दोनू अेक ई सिक्कै रा दो पहलू है। देस रै शीर्ष माथै बैठा उन्नायक अर समाज रा तथाकथित उद्धारक, जिका माथै देस नै दिसा देवण री जुम्मेदारी है, बै खुद दिग्भ्रमित है। ना तो बामै चारित्रिक दृढता है अर ना शासकीय गुण अर राजदण्ड रो डर सगळा रै दिमाग सू निकळग्यो।

सगळो देस आकठ भ्रष्टाचार में डूबरियो है। भ्रष्टाचार रै अै महादानव देस री जडा नै थोथी कर दी। नैतिक मूल्या रो अवमूल्यन हुयग्यो, बो सून्य रै स्तर तक जा पोंच्यो, बैरी परिभाषा ई बदळगी। साफ अर बेदाग चै'रा रै लारै दरिन्दा दीख रिया है। समाज रो मनोबल इत्तो गिरग्यो'कै प्रतिकार करणो तो दूर रियो, बै जुल्म नै जुल्म कैवण में ई सकोच करै।

अेक टेम बो हो जणै आदमी माथै समाज रो डर हो—समाज रै खिलाफ काम करण सू पैला बो सौ दफे सोचतो, क्यू'कै समाज सू बारै हुवण रो डर बैनै मनमानी करण सू रोकतो, पण आज हालात दूजा है।

धनबल अर भुजबल रै दबाव में समाज इत्तो पगु बणग्यो कै बो काळी करतूता करणआळा लोगा नै महिमामण्डित करण मे अपणै-आप नै भाग्यवान समझै। निर्वीर्य हुया लोग आपरी इज्जत आपरी आँख्या रै सामनै लुटती देख'र ई हाथ माथै हाथ धरिया बैठ्या है, अैमै बै आपरो भलो समझै।

आज देस री आस्था अर विसवास रै सामनै अेक घोर सकट पैदा हुयग्यो है। बैसू छुटकारो पावणो असम्भव कोनी तो मुसकिल जरूर हुयग्यो। पइसा देदो अर सब-कुछ लेलो री कुत्सित मनोवृत्ति चारू कानी सू समाज नै आवृत कर लियो।

अबे तो न्यायपालिका माथै भी लोग सका करण लागग्या, क्यू कै धोखो, झूठ, फरेब राष्ट्र रो चरित्र बणतो जा रियो हे। ना कैनैई आपरी गरिमा रो ध्यान है अर ना देस री अस्मिता रो, क्यू के बाड ई खेत नै खावण लाग री है।

हालाकि लारला पचास साला में फिल्म अर दूरदर्शन सू रगमच ब्होत ई प्रभावित हुयो है, जदकै फिल्म अर दूरदर्शन रै माध्यम सू देश अर समाज री विसगतिया माथै करारी चोट की जा सकै, क्यूकै बारै कनै हर तरै री साधन-सुविधा है, पण आज स्थिति दूजी व्हैग्यी। फिल्मा अर दूरदर्शन देश री युवा पीढी नै भ्रमित अर गुमराह करणै री इन्डस्ट्रीज बणगी। बैंक किंया लूटणो है, कैनै किया किडनेप करणो है, किंया बलात्कार, कैनै किया सुपारी देर मरवावणो है, किया लडकी नै घर सू भगावणी है, अर किया लडकी नै पटावणी है, किया मत्री नै मारणो है अर किया प्रधानमत्री नै। मनोरजन रै नाव सू फिल्म वाळा ओ धन्धो बणा लियो।

गुस्सै मे आय'र कोई भली ओरत नै जलील करण नै रण्डी या वेश्या कैवणो कित्तो सोरो काम है, पण वेश्या भी आप री मरजाद मे रैवै। पूरो शरीर गैणा अर सुन्दर कपडा सू ढक्योडो, पगा मे घुघरू, हाथा में चूडिया, सिर माथै पल्लो, अर आज री हीरोइना, नीचै चड्डी अर ऊपर चोळी, कोरो अग-प्रदर्शन, सरेआम चुम्बन, अश्लील दृश्या रै अलावा फिल्मा में दीखावै काई है ? सौचणै री बात है, आज घर रो मुखिया आपरै परिवार रै सागै बैठ'र फिल्म देखण सू सकोच करै तो युवा पीढी माथै अैरो काई प्रभाव पडरियो है। आ कोई छुपावण वाळी बात कोनी। अै हालत में भी केन्द्र सरकार सैक्स शिक्षा सरू करण रो मानस बणा री है। म्हैं सरकार नै पूछणो चावू कै कुत्ता-बिल्ला-पशु-पक्षी अर कीडा-मकोडा नै सैक्स रो प्रशिक्षण किसै विश्वविद्यालय में दियो जा रियो है। कई बारी उत्पत्ति में कोई कमी आई है ?

अै अश्लीलता रै कारण ही आज महगी सू महगी फिल्म तीन-चार दिना सू घणी चालै कोनी, सिनेमाघर खाली पडिया रैवै, मालिक सिनेमाघर नै तुडवा'र कॉम्प्लेक्स बणावण में आपरी भलाई समझण लागग्या, क्यूकै आम आदमी अर सभ्य लोग आज री फिल्मी अश्लीलता सू बुरी तरिया ऊब चुक्या

है अर बारो रुझान पाछो रगमच पासी बधण लाग्यो। ओ रगमच रै खातर सुभ सकेत है क्यूकै रगमच आज भी आपरी शुद्धता रै कारण जीवित है अर जीवित रैसी, म्हारो इसो विश्वास है।

आज देश मे सुखी कुण है ? कैनैई रोटी री चिन्ता है तो अमीर आपरी औलाद सू दुखी है, भाई-भाई रो वैरी हुयरियो है, बेटो-बाप रो गळो काटरियो है, सासू बहू नै अर बहू सासू नै वाळ री है। मदिर-मठा री दसा भी कैसू ई छानी कोनी। तो आदमी आखिर जावै कठै—अै खातर म्हारै कानी सू न्यूतो है कै शुद्ध मनोरजन खातिर रगमच सू जुडियो जावै।

सिरजणधर्मी हूँ, सिरजण करणो म्हारो धरम समझू—खाली मनोरजन रै खातर या सस्ती वाह-वाही लूटण नै ना तो लिखू अर ना नाटक खेलू। खाली उद्देश्य री पूर्ति खातर नाटका रो सहारो लेऊ।

हसणो-हसावणो म्हारो सभाव है, अै खातर घणकरा म्हैं हास्य नाटक ई लिखू अर खेलू। क्यूकै रगमच ई अेक इसो माध्यम है जिकै री ओट में कित्तै ई ऊँचै वैठै आदमी री चोखी-बुरी आदता नै या समाज में फैली बुराइयाँ अर कुरीतिया नै सागोपाग जनता रै सामने दीखाई व बताई जा सकै।

अै खातर म्हैं हास्य-विनोद रो सहारो लेय'र समाज री दुरदसा माथै तीक्ष्ण व्यग्य-बाणा सू सटीक प्रहार करण री कोसिस करू। क्यूकै हास्य-व्यग्य अन्दर सू कठेई गहरै में व्होत गभीर हुवै, बैई अनुपात में, जिकै अनुपात में हास्य-व्यग्य पूरै प्रभाव रै सागै पटाखै दाई फूटै अर झरणै दाई बैवै अर आदमी नै खाली हसावै ई कोनी, बैनै माय सू झकझोर'र छोडै।

अै नाटक सग्रह में भी म्हैं हास्य रै माध्यम सू आई बात सरल अर सहज भाषा में कैवण री कोसिस करी है कै आदमी थोडै-सै लालच अर आपरै स्वार्थ रै खातर कित्तो लाचार अर नपुसक हुयजावै।

कृति रो मूल्याकन करण रो अधिकार तो आप सुधी पाठका रो है, अैमै हस्तक्षेप करणो अनधिकार चेष्टा हुसी-

आपरो
सूरजसिंह पवार

नाट्य सग्रै रो नाव अर सग्रै में छप्योडै नाटका री कहाणिया अर पात्रा रा नाव, लेखक री कल्पना मात्र है। कोई खास आदमी नै लेय'र नाटक नईं लिख्या गया है, फेरू ही बदळतै जुग में घटनावा रो मेळ खावणो सजोग मात्र हुसी। लेखक-प्रकासक री अैमें कोई जुम्मेवारी कोनी।

-प्रकाशक

परम स्नेही
ऊर्जस्वी व्यक्तित्व
श्री योगेन्द्रकुमार शर्मा "योगी"
नै घणे हेत सू-

दिनूगै पाछी कर देसूं

(लीलाधर रो घर, सरदी री रात - चारूमेर अन्धारो - घर रै कमरै में एक कालीन लाग्योडो, अेक सोफो अर एक किनारै लकडी रो स्टूल पड्यो है। छोटो-सो बिजळी रो बल्ब जग-बुझ करै अर धीमी-धीमी रोसनी मे अेक लुगाई आवती-जावती दीखै - दूर सू अेक-आध बार कुत्ता रै भूसण री आवाज आवै - स्टेसण री घडी मे पाँच टणका लागै - चीडियाँ री चिक-चिक अर झीणो-झीणो चानणो हुवै - रेडियै मे धुन बाजै - फेरू अेक भजन - कमरै मे सोफै माथै लीलाधर बैठो बीडी सिलगावै अर कमरै मे कई तरै रै खिंड्योडे समान नै अेक कानी भेळो कर'र राखै। अर पाछो सोफै माथै बेठ'र बीडी नै दूसर सिलगावै अर हरियै नाव रै अेक नौकर नै हेलो मारै)

लीलाधर हरिया ओ हरिया।

(बीडी नै तीसर सिलगावै)

समझ मे कोनी आवै'क अै नौकर नै इत्तो माथै क्यू चढा राख्यो है ?

(फेरू हेलो मारै)

ओ हरिया, जीवै है या मरग्यो ?

(माय कानी सू लीलाधर री घरआळी रुखमणी हाथ मे झाडू लिया आवै)

रुखमणी दिनूगै-दिनूगै क्यू रोळा करण लागरिया हो, केनैई दो घडी सुख सू सूवण दो ई कोनी ?

लीलाधर पैला घडी कानी दीदा फाड'र देख कै कित्ता बज्या है। तावडो माथै पर चढण आयो है। कई तो सरम कर, अधबूढ हुई है।

रुखमणी क्यारी सरम करू ? किस्सो दूजो खसम कर लियो ?

लीलाधर नई करियो तो अबै करलै।

(दोनू हाथ जोड'र)

रुखमणी म्हे तो अेक सू ई धापगी, दूजो कर'र मनै अचार घालणो है ? कई काम है हरियै सू ? दिनूगै-दिनूगै क्यू बरक रिया हो ?

लीलाधर बो हरामखोर दिनूगै-दिनूगै मर्यो कठै है ?

रुखमणी हरियो मर्यो कोनी, बो थानै-म्हानै मार'र मरसी। क्यू कई दोराई है ?

लीलाधर कद सू हेला मारू हूँ, बोळा हो काई ?

रुखमणी गाया-भैंसा रो काम निपटा'र म्हैं बैनै सडक ताईं काम भेज्यो है।

लीलाधर बैनै बजार ई भेजणो हो तो थोडो मनै ई पूछ लेवती।

रुखमणी काल तो पूरी तनखा रो कुण्डो कर'र आया हो, फेरू कई मगवाणो बाकी रैग्यो ?

लीलाधर म्हारी सिगरेट कठै लायो, कैवै तो बा'ई म्हैं छोड दू, थारै दो लहगा-ओढणी औरू बण जासी।

रुखमणी नईं-नईं, थे बीडी पीवणी क्यू छोडो, म्है ई छोड दू ओढणी-घाघरो, ला दो गोडा ताई रो धोतियो।

लीलाधर ब्होत फूठरी लागसी तू गोडा ताईं रै धोतियै में।

रुखमणी फूठरी लाग'र मनै किसो नातो करणो है ?

लीलाधर करै तो ई कुण पालै है तनै ? म्हारी तरफ सू पूरी छूट है।

रुखमणी क्यू ? थारो राम अबार सू ई निकळग्यो ?

लीलाधर म्हारो राम तो तनै अें घर में लेय'र आयो जणै ई निकळग्यो।

रुखमणी अबै नईं निकळ्यो तो बीडा-सिगरेट पी-पी'र आपै ई निकळ

जासी।

लीलाधर जा-जा, माय जा, दिनूगै-दिनूगै माथो ना खा अर बो हरामखोर आवै जणै म्हारी बीड्या

(बीच में बोलै)

रुखमणी कैवो तो बीड्या रो भारो नखवा दूँ। अरे ! मरणै रो ई सोच लियो तो कोई चोखो काम कर'र तो मरो। ओ जैर पी-पी'र क्यू हाडका गाळो हो ?

(बारै कानी सू हरियो आवै)

लीलाधर अरे ओ हरामखोर ! म्हारी सिगरेट लायो'क नई ?

हरि सिगरेट लावण रो मनै था बोल्यो ई कद हो ?

लीलाधर अरे ओ अकल रा दुसमण ! भगवान रै घरै अकल बटरी ही जणै तू कठै बळग्यो हो ?

हरि म्है तो थारै सागै ई हो बाबूजी, बिना पूछ्या तो म्हैं कठैई जाऊ ई कोनी, पूछ लो मेमसा'ब नै।

(बीच मे बोलै)

रुखमणी साची कैरियो है हरियो, थे कठै हा बै बखत ?

(हरियै ने इसारो)

तू माय जा बेटा। म्हैं चूल्हे माथै चाय राख'र आई हूँ।

(हरियो माय जावै)

लीलाधर देख नौकरा नै घणा माथै चढावणा चोखी बात कोनी है।

रुखमणी काई माथै चढा लियो ? सिरकारी नौकर है, थोडो-घणो लाड लडावणो ई पडै। तनखा सिरकार दैवै अर गोलीपो थाणै अठै करै, घणो तग करिया कठै आवणो बन्द कर दियो तो काई पूछ काट लेसो बैरी ?

लीलाधर काम करै तो रोट ई अठै खावै, अठै रैवण सू ना तो मकान रो

किरायो लागै अर ना खावण रा पइसा - सगळी री सगळी तनखा घरे भेजै, ओ बेरो है तनै ?

रुखमणी सो बेरो हे मनै । दफ्तर में दस बज्या जावो अर पाँच बज्या घरै। अर अठै बापडो दिनूगै पाँच बज्या उठै, दिन-भर थारी हाजरिया भरै बीडी ला, दाढी रो पाणी ला, ओ ला, बो ला

(बात ने काटे)

लीलाधर म्हारी हाजरिया भरे या थारी, आ तो तू चोखी तरिया जाणै है।

रुखमणी म्हारै कार्नी सू तो बैनै काल काढता आज काढ दो, म्हारो काम तो म्हनैं ई करणो पडसी।

लीलाधर जा-जा, माय जा, माथो ना खा।

रुखमणी अबै साची केऊ तो चिडको क्यू लागै है ? जे कोई सिकायत कर दी कै ओ नौकरी तो सिरकार री करै अर काम करै अेक बाबू रै अठै, तो जावोला खत्ता खावता। सस्पेन्ड हुवोला अर घरै पडिया-पडिया पान-बीडिया फूकोला।

लीलाधर अरे ! म्हें छोटो-मोटो बाबू कोनी हूँ, म्हें दफ्तर मे डबल ए ओ हूँ, सगळा री तनखा म्हें पास कराऊ, आई समझ में !

रुखमणी डबल ए ओ हो या ए आई, आ म्हारै तो सगळी समझ मे आवोडी है। सिरकारी करमचारी सू घर में काम करावणो कानूनी जुर्म है।

(हरियो आवै)

हरि कुण आवोडी है मेमसा'ब ?

रुखमणी थारै बाबूजी री

(बीच में बोले)

लीलाधर मौत ! बोल दै, अबै बोली क्यू रैगी ?

रुखमणी बा तो अेक दिन सबनै आवणी है। क्यू, ओ दूहो तो सुण्यो ही हुवैला कै-*राजा राणा छत्रपति, हाथिन के असवार। मरणो सबनै*

अेक दिन, अपनी-अपनी वार।

(बीच मे बोलै)

हरि मेमसा'ब चाय में खाड था घाल दी या घालणी है ?

रुखमणी बडोडा चार चम्मच घाल दै।

(बीच मे बोलै)

लीलाधर दो घन्टा हुयग्या चाय लावण में, अरे तू फीकीई लिया कामचोर!

(बीच मे बोलै)

रुखमणी क्यू, सुगर री बीमारी लागगी ?

(हरियो माय जावै)

लीलाधर सुगर री बीमारी लागै तनै।

रुखमणी गीधा रै कैया सू गाया को मरैनी।

लीलाधर अबै घणी चामडी रै बारै हुय'र फुदक ना। जे मनै गुस्सो आयग्यो तो चामडी उधेड'र जैसलमेरी जूतिया बणा लेऊला।

रुखमणी क्यू ? बाप-दादा ओ ई धन्धो करता हा ?

लीलाधर देख, तू मनै गुस्सो ना दिरा। म्हैं बिगड्या पछै म्हारै सागी बाप रो ई कोनी हूँ।

रुखमणी साची कै'रिया हो थे। आई बात थारा बाबूजी कैया करै।

लीलाधर काई बोली ? थोडी दूसर बोल तो!

रुखमणी थारै गुस्सै नै चोखी तरिया देख राख्यो है म्हैं। क्यू भूलग्या कानजी कुम्भार नै ? बो काळियो साड थानै जिनावर दाई मारतो रियो। म्हैं बीच में पड'र बेरी फीच्या मे गडासो नईं मारती तो आगलै साल पितरामेळो करणो पडतो।

लीलाधर अरे! बै नीच रै बराबर म्हैं नीच थोडी हुय जावतो! दुनिया काई कैवती! मोहलै आळा काईं कैवता! नई तो म्हैं बै पाडै रा तीन टुकडा कर नाखतो।

रुखमणी बस-बस, रैवण दो आ हेकडी। गदीड थारै पडिया अर घर सू निकळणो म्हारो बद हुयग्यो। जद ई घर सू बारै निकळू, मोहलै वाळा मनै घूरण लाग जावै।

लीलाधर अरे गैलीटड। बै लोग तनै अै खातर घूरै कै चुडैल नै कित्तो भलो मिनख मिल्यो है, कित्ती किसमत

(बीच मे बोलै)

रुखमणी किसमत फूटोडी है आ औरत, क्यूकै म्हारै पीअर में इसै मोट्यार नै गैलसफो मिनख बोलै।

लीलाधर देख तू सूतोडै साप नै मत जगा रुखमणी, वरना

(हरियो चाय लेय'र आवै)

रुखमणी वरना काई भाड भूज लेसो ?

(बीच मे बोलै)

हरि बाबूजी बिल मे बड जावैला।

(रुखमणी हँस'र माय जावै अर लीलाधर हरियै रै मारतो बोलै)

लीलाधर अरे ओ हरामखोर। तू म्हारी खा'र म्हारी ई खिल्ली उडावै ? गुस्सो आयग्यो तो म्हैं कैरो गुस्सो कैरै माथै उतार दू ला, कोई पतो कोनी।

हरि राजस्थानी में आ कैवत है बाबूजी कै कुम्भार कुम्भारी नै नई पौंचे जणै गधै रा कानडा खींचै।

लीलाधर काई बोल्यो रे हरामखोर ?

हरि देखो बाबूजी, सिरकारी दफ्तर में म्हारो नाम हरिशकर उपाध्याय है, अण्डरस्टेन्ड ?

लीलाधर अरे ओ विद्यासागर री औलाद। तू म्हारै सामी अग्रेजी बोलै ? हरामखोर रो ट्रासफर करवा'र कपूरीसर भिजवा दूला।

हरि कपूरीसर। जठै कन्हैयालाल सोनी रैवै ?

लीलाधर हा कपूरीसर, हरामखोर नै लूणकरणसर सू अठारा किलोमीटर रोज पैदल आवणो-जावणो पडैला।

हरि मनै मजूर है बाबूजी, पण तनखा कित्ती मिलसी ?

लीलाधर तीस दिना रो महीनो अर रोटी-कपडो घर रो, अर हरामखोर रो हाउसरेन्ट और बन्द हुय जासी।

हरि परवा कोनी, पण अै रोज-रोज री किच्-किच् सू तो पींडो छूटसी म्हारो। तनखा सिरकार देवै अर गोलीपो थारै अठै करू।

लीलाधर काई बोल्यो रे हरामखोर ! दूसर बोल तो।

हरि था फेरू मनै हरामखोर बोल्या ? लास्ट वारनिंग, अर अबकी बार हरामखोर बोल दियो

(बिगड'र बीच में बोलै)

लीलाधर तो ?

हरि तो !

लीलाधर तो ?

हरि तो !

(चिल्लावै)

लीलाधर तो ?

(हरियो गीत गावण लाग जावै)

हरि चल दरिया मे डूब जाए - दोनों किसी को नजर नई आवें, चल दरिया में

(जोर सू)

लीलाधर चुप *(थोडी देर ठैर'र)* हरिया !

हरि हॉ बाबूजी !

लीलाधर हरिया !

हरि हाँ बाबूजी।

लीलाधर हरिया।

हरि हाँ बाबूजी, हाँ बाबूजी *(जोर सू)* हाँ बाबूजी।

लीलाधर तो अरडावै क्यू है ? म्हें बोळो कोनी।

हरि तो थे घडी-घडा मने हरियो-हरियो क्यू बोलरिया हो ?

लीलाधर अरे ! म्हें हरियो-हरियो बोलण री प्रेक्टिस कर रियो हूँ। समझ्यो ?

हरि समझ्यो बाबूजी।

(दोनू जणा हँसै अर हँसता-हँसता आपस मे ताळी मिलावै अर हरियो सिगरेट रो पैकेट निकाळ'र देवै। बिणी टैम कोई दरवाजो खटखटावै)

लीलाधर देख तो हरिया, कुण गधो फाटक तोड रियो है ?

हरि सायत् थारा पिताजी है।

लीलाधर तू जार बोल दै, लीलाधर घर मे कोनी।

हरि ओ बोलण में काईं लागै म्हारो, अबार बोल'र आऊं।

(हरियो बारै कानी जावै, लीलाधर सिगरेट जगावै, हरियो पाछो आवै)

लीलाधर कुण हो हरिया ?

हरि थारा बापू केसरोजी।

लीलाधर काईं कै'रिया हा ?

हरि बोल्या, बेगोसी तैयार हुयजा, कचैडी चालणो है। आज खेत री जमीन री तारीख है। अर मनै डाट मारग्या'क तू सिरकारी नौकर हुयर बाबू रै घर में काम करै ?

लीलाधर आ हिम्मत बारी ? देख हरिया, बापू जद भी आवै बोल दिया कर कै लीलाधर घर में कोनी।

हरि अर वै सीधा घर मे घुसग्या तो ?

लीलाधर टाग्या तोड दियै।

हरि मजाक छोडो बाबूजी अर अेक बात बतावो, थारा बाबूजी जद भी घरै आवै, थे बासू मिलो क्यू कोनी ?

लीलाधर अरे ओ बेवकूफ! बाबूसा जद भी आवै, म्हैं घर मे ओ अटाळो लिया बैठो ई रैऊ।

हरि बाबूजी, रोज रो रोज ओ अटाळो आपारै अठै आवै कठै सू है?

लीलाधर दरडै माय सू।

हरि ओ दरडो कठै है बाबूजी ?

लीलाधर जहन्नुम में। तू आज रात रो सोए ना, तनै सब बेरो लाग जासी'क कठै सू आवै ओ अटाळो अर कुण राख जावै ओ अटाळो।

(रुखमणी माय आवै)

रुखमणी हरिया, बेगोसी जा अर अेक फूलझाडू लेर आ।

(बीच में बोलै)

लीलाधर फूलझाडू! अरे म्हैं काल तो लेर बळ्यो हो ?

रुखमणी रसोई मे जार आई जितै मोहनजी वाळी बकरी झाडू खायगी

(बीच मे बोलै)

हरि अै बकरा-बकरी तो बाढण अर राधण में ई चोखा लागै बाबूजी लाओ, पइसा दो।

रुखमणी अबार लालै री दुकान सू लिया।

हरि लालो उधार देवै कोनी। काल बीडी रै बण्डल खातर घणी देर हुज्जत करी।

(बीच मे बिगड'र)

लीलाधर लालै रै बच्चै री आ हिम्मत! हरामखोर री लाइट-पाणी बन्द

कर देसू।

(बीच मे बोलै)

रुखमणी बा तो म्हैं लारलै मईने ई काट दी।

(बीच मे बोलै)

हरि जणै ई उधार देवतो दौरो हुवै अर टेढो-मेढो बोलै।

(हरियो माय जावण लागै)

लीलाधर हरिया तू कठै जावै बळै है ?

हरि थे लोग आपस में भिडो जित्तै म्हैं चाय बणा लाऊँ।

लीलाधर तू अर चाय बणासी ? बोल तो पैला चाय री पत्ती उबाळसी या खाड ?

हरि म्है चाय-खाड-दूध अर पाणी सगळा नै सागै ई उबाळ देसू।

(रुखमणी हँस'र माय जावै, बिणी टेम फाटक खडखडावै)

लीलाधर हरिया, देख तो फेरू कुण आ बळियो ?

हरि म्हनै लागै थारा बाबूसा पाछा आयग्या।

लीलाधर अर मनै इया लागै कै अबकी बार थारा बाबूसा आया है।

हरि गरीब छोकरै रै सागै क्यू मजाक करो हो बाबूजी, म्हारै बाबूसा नै मरिया नै बत्तीस बरस हुयग्या।

लीलाधर बत्तीस बरस ! हरिया थारी उमर कित्ती है ?

हरि अबै काम-काज में उमर कैनै कैरी याद रैवै है बाबूजी ?

(फाटक फेरू बाजै)

लीलाधर हरिया देख तो घडी-घडा कुण बारणो भागरियो है ?

हरि थारा बाबूसा हुवै तो काई बोलणो है ?

(बिगड'र)

लीलाधर बोल दिए कै लीलाधर चालतो रियो।

हरि पूछ लेसी कणै ?

(माय जावतो बोलै)

लीलाधर बोल दिए हाल तो जस्सूसर गेट ताई पूच्या हुसी।

(हरियो बारै कानी जावै अर चार-पाँच जणा नै सागै लेर आवै-सगळा अेक लाइन में खडा हुय जावै-हरियो लीलाधर नै हेलो मारै)

हरि बाबूजी, अेक मिंट बारै आया !

(लीलाधर माय आवै)

लीलाधर हरिया, कुण है अै लोग, कठै सू भेळो कर'र लायो है ओ कूटळो ?

हरि सगळा पडौसीरामजी है।

लीलाधर पडौसीरामजी ! आप लोगा री तारीफ ?

(बीच मे बोलै)

हरि जित्ती करो वित्ती ई थोडी है, बाबूजी !

लीलाधर तू बीच में मत बोल। म्हैं मिरजा सा'ब नै पूछ रियो हूँ।

मिरजा मनै लोग सुल्तान मिरजो कैवै, बिया म्हैं थारै घर में किरायै रैऊ हूँ।

लीलाधर घर रो भाडो लाया हो ?

मिरजा भाड़ो अेक तारीख नै ई दे दियो।

लीलाधर आयग्यो ! बोलो किया आया ?

मिरजा रात म्हारी साइकिल चोरी हुयगी।

लीलाधर पुलिस में रिपोर्ट लिखाई ?

मिरजा रिपोर्ट तो कोनी लिखाई।

लीलाधर क्यू, भा'जी रो राज है ?

मिरजा साइकिल पाछी लाधगी।

लीलाधर इत्ती बेगी ? कठै है साइकिल ?

(साइकिल सामीं इसारो करै)

मिरजा आ सामनै पडी है।

(माय सू रुखमणी री आवाज)

रुखमणी अजी, सुणो तो

लीलाधर हरिया, दो मिंट तू सम्भाळ आनै।

(लीलाधर माय जावै)

हरि मिरजा सा'व, था मकान रो किरायो कैरै सागै भेज्यो ?

मिरजा म्हारी छोटी वाळी बेगम रै सागै।

हरि छोटी वाळी बेगम रो मतलब, था दो सादिया कर राखी है ?

मिरजा जी नई, चार सादिया, आ म्हारै मज़ब में छूट है।

हरि म्हारै मजब में छूट हुवती तो म्हैं लाइण लगा देवतो।

मिरजा काई फरमायो ?

हरि कई नई, म्हारो कैवणो है चारू बेगमा जीवै है ?

मिरजा जी नई, पैली तो सन् सत्तावन में ई मरगी।

हरि दूजी ?

मिरजा दूजी जवान हुई कोनी बैसू पैला ई दीयाळी माथै पटाका सू बळगी।

हरि तीजी ?

मिरजा लानत है, म्हारै बडै भाई रमजान सागै भाजगी।

हरि अर चौथी बेगम ?

मिरजा कई दिना सू बीमार चालरी है।

हरि इलाज कैरो चालै है ?

मिरजा अबार तो म्हैं घर री दवाइयाँ ई दे रियो हूँ।

हरि पॉचवीं कठै तलास कर राखी है ?

मिरजा काईं, फरमायो ? म्हैं समझ्यो कोनी।

हरि आ साइकिल ले जावो अर दोनू चक्का रो पिचर कढा लिया।

मिरजा दोनू ट्यूब नुवा है।

हरि बा तो घरै जा'र देख्या।

मिरजा सुकरिया।

हरि कुण रामपुरिया ?

(मिरजो साइकिल उठा'र बारै जावै)

हा, थे सुणाओ गेंडारामजी, किया पधारिया ?

(हँसतो बोलै)

गेडाराम म्हारो आवणो-जावणो तो लागोडो ई रैवै।

हरि तो रोज रा ग्राहक हो ?

(हँसतो बोले)

गेडाराम काईं ?

हरि कोलगेट कर'र आया हो ?

(हँसतो बोलै)

गेंडाराम म्हैं नीम सू दातण करू, सस्तौ पडै।

हरि जणै ई थारा दात मूंगा-छमपड़िया है [illegible]

(हँसतो बोलै)

गेंडाराम काईं बोल्या, म्हैं समझ्यो कोनी ?

हरि हाल टाइम लागसी।

गेडाराम काईं ?

हरि अेक बात बताओ गेंडारामजी।

(हँसतो बोलै)

हरि दो पूछो नी।

हरि था घर में गिंडक पाळ राख्यो हे ?

(हसतो बोलै)

गेडाराम रात-बिरात काम आवै।

हरि तो थे गिंडक नै बाधण री साकळ बारै क्यू भूल जावो हो ?

(हँसतो बोलै)

गेडाराम भूलू कोनी। कुत्ते नै बारै बाखळ मे बाधू, पण रात रो डरतो बो साकळ तोडा'र माय भाग आवै।

(हँसतो बोलै)

हरि बा पडी साकळ, ले जाओ।

(हँसतो बोलै)

गेडाराम राम भलो करै अच्छा, काल फेरू मिलसा।

(गेडाराम बारै जावै)

हरि छोटूलालजी, आज तो थारा कपडिया चमक रिया है !

छोटू अबकी दीयाळी रो बोनस मिलग्यो।

(धीरै-सी कैवै)

हरि दस रिपिया उधार देसो ?

छोटु अेक तारीख नै ले जाया।

हरि आज तारीख कित्ती है ?

छोटू तीन हुयगी, टेम जावता कई पत्तो चालै।

(टूटी-फूटी बाल्टी नै देख'र)

हरि आ प्लास्टिक आळी नुवीं बाल्टी थारी है ?

छोटू पुराणा गाबा दे'र ली।

हरि आ बाल्टी ले जावो अर थोडी हवा आवण दो।

छोटू आज दिनूगै सू अमूजो है, लागै भादवो वरसैलो।

(बाल्टी उठा'र)

तो म्है चालू ?

हरि चालो क्यू, ओ माचो पडियो पौढ जावो।

छोटू नई चाल सू, मनै डिप्टी माथै जावणो है।

(छोटूलाल बारै जावै)

किसनाराम रामी-राम, हरियारामजी।

हरि रोटी हाल बणाई कोनी ?

किसना आज अदीतवार री छुट्टी है।

हरि क्यू, अदीतवार नै वरत राखो ?

किसना सुणी है अबकी आखातीज रा सावा ब्होत है।

हरि कानासर में बस्ती है ?

किसना अबै कादा रा भाव देखो अर लसण तो पनीर सू ई मूगो हुयग्यो।

हरि थारो टोपियो बो पडियो, ओळख लियो ?

किसना कठैई पडियो रैवो, कुण खावै है ?

हरि ले जाओ अठै सू अर भीड कम करो, अर अेक बात बताओ।

(जोर सू बोल'र)

म्हैं पूछू घर में थोडो सूरसू रो तेल लाधसी ?

किसना घणोई।

हरि काल आओ तो दो-दो बूद काना में घाल'र आया।

किसना अबकी जमानो तगडो है   रामी-राम।

(किसनाराम बारै निकळ जावै)

हरि थे किया पधारिया, धनारामजी ?

धनराज म्है थोडी चाय री पत्ती लेवण नै आयो हूँ, दिनूगै पाछी कर देसू।

हरि क्यू, आज भारत बन्द है ?

धनराज म्है समझ्यो कोनी, काई बोल्या ?

हरि म्हैं पूछू हूँ, घर में दूध तो है ?

धनराज थोडो स्टील री गिलास में दे दो।

हरि अर खाड ?

धनराज खाड थोडी फकीरचन्दजी सू माग'र लायो हूँ।

(कागज री पुडी खोलर बतावै, हरियो खाड रो फाको मारलै)

हरि थे घरै पोंचो धनजी, म्हैं तीनू चीज्या लेय'र घरै ई आऊँ।

धनराज वेगा आया, पनजी कणै रा आवोडा बैठा है।

हरि हाँ-हाँ, थे चालो, म्हैं थासू पैला पौंचू।

(धनराज बारै निकळै, हरियो दोनू हाथ ऊपर उठा'र)

हे परमपिता परमेश्वर ! अबै सजी-सजी में उठालै अठै सू। नखै-नखै धापग्यो हूँ अै बूचड़खानै में

(लीलाधर माय आवै)

लीलाधर अेकलो-अेकलो कैसू वात्या कररियो है हरिया ?

हरि म्हारै वाप पीरूजी साखलै सू। क्यू, मिलणो है ?

लीलाधर पैला माय जा, नास्तो करलै। ठण्डो हुयरियो है।

(हरियो माय जावै अर बारै कानी सू सरमाजी हाथ में अेक कटोरो ले'र कमरै में आवै)

आओ-आओ सरमाजी, आज दिनूगै-दिनूगै कटोरै में कईं ले आया ?

सरमा थोड़ो काचो दूध लेर आयो हूँ।

लीलाधर काचो दूध ?

सरमा आज नागपचमी है। म्हें देख्यो थासू वेसी म्हारै नेडो कुण है ?

(बिगडतो बोलै)

लीलाधर था मनै नाग समझ राख्यो हे ?

(जोर सू हेलो मारै)

हरिया ओ हरिया ।

(हरियो दौडतो आवै)

हरि काई वात है वाबूजी ?

लीलाधर ओ सरमा रो वच्चो म्हारै खातर काचो दूध ले'र आयो है।

हरि अै महगै भाव में ? क्यू सरमाजी, काई इरादो है ? मोदीजी रै घर में कोई मरग्यो ?

(बीच मे लीलाधर बोलै)

लीलाधर वोलै, आज नागपचमी है।

हरि अबै काचो दूध लाग तो करै कोनी बाबूजी। अबे लाया है तो दो गुटका ले बाळो नी।

लीलाधर काई बकवास करै तू ? *(खड़ो हुय'र)* सरमाजी अबार-रो-अबार थे म्हारो घर खाली कर दो।

सरमा बोलो, कद खाली करणो है ?

लीलाधर अरे म्हैं बोल तो रियो हूँ कै म्हारो घरियो थे अबार-रो-अबार खाली कर दो।

सरमा अबार-रो-अबार खाली कर देसूपण पैला ओ दूध तो पी लेवता *(बिगड'र)*

लीलाधर हरिया, पैला आनै धक्का मार'र घर सू बारै काढ।

हरि सुण लियो सरमाजी ? वरमाजी काई कैवै ?

(हरियो धक्को मारै)

चालो, हवा आवण दो।

सरमा अरे भाई धक्का क्यू मारै है, दूध ढुळग्यो तो ?

हरि पैला थे घर सू बारै चालो।

सरमा अरे जाऊँ भाई, पण म्हैं अै दूध नै कठै-कठै लिया फिरसू ?

हरि घर मे चावळ है ?

सरमा थोडा-घणा लाध ई जासी।

हरि अर खाड ?

सरमा खाड तो काल ई लेर आयो हूँ म्हैं।

हरि घरै पधारो, दूध नै ऊबाळो, फेरू चावळ-खाड घालो, खीर बण जावै जणै म्हनै हेलो कर लिया। समझग्या या फेरू समझाऊ ?

(सरमा बारै जावै)

लीलाधर हरिया, जिया भी हुवै अै सरमा रै बच्चे कनै सू म्हारो घरियो खाली करा।

हरि खटाव राखो, घरियो खाली हुय जासी।

लीलाधर अरे कद खाली हुजासी, हरामखोर ना तो मकान रो किरायो देवै अर ना म्हारो घर खाली करै, अर वेईमान रो बच्चो म्हारै खातर काचो दूध ले'र आयो है'क आज नागपचमी है - म्हैं आज सू अैरा लाइट-पाणी सब बद करसू।

हरि काईं वन्द करण री जरूरत कोनी, थारो मकान खाली हुय जासी।

लीलाधर पण किया हुय जासी, मनै वता तो सरी ?

(हरियो-लीलाधर रै कान में कईं केवै अर दोनू जणा जोर सू हँसै अर हँसता-हँसता माय जावै-कमरै में चानणो धीमो हुवै अर सोफै माथै लीलाधर किताब पढतो दीखै- थोड़ी देर में

लीलाधर री घरआळी कमरे माय आवै)

रुखमणी अवै थे रात-भर किताबा ई पढता रैसो ? क्यू, रोटी खावणी कोनी ? या किताबा पढण सू ओझर भर जासी ?

लीलाधर तू जीम लै अर माय जा'र सूयजा। अबै घणी पतिवरता ना बण।

रुखमणी पतिवरता बणै म्हारी जूती। म्हैं तो जीम-जीमा'र आई हूँ। हाडी में कढी पडी है, भूख लागै तो खा लिया अर अठै ई आडा हुय जाया।

लीलाधर तू माय चाल, बस लास्ट पेज रियो है।

रुखमणी दो घन्टा सू ओ ई सुण री हूँ'क आखरी पन्नो रियो है *(किताब खोस'र)* लाओ लारलो पन्नो म्हैं पढ'र सुणा दूँ।

लीलाधर अबै घणी लाड में मती आ अर किताब दै। अरे-अरे, सुणै कोनी

(रुखमणी किताब ले'र माय जावै अर हरियो आवे अर डकार खावै)

अरे तू कई खा'र बळियो है, डकारा माथै डकारा खा रियो है ?

हरि लोग साचही कैवै बाबूजी, खूभी रो साग, मास नै ई आगै बैठावै।

लीलाधर खूभी री सब्जी ? बा तो के'र बळी है'क हाडी मे कढी पडी है।

हरि कढी तो दिनूगै री है, थारै खातर राखी है।

लीलाधर और काई बणायो है ?

हरि दळियो।

लीलाधर दळियो ! अर साग में ?

हरि साग में तो राम रो नाव है।

(बिणी टेम फाटक खडखडावै)

लीलाधर देख तो हरिया, इत्ती रात रो कुण आ बळियो ?

हरि मनै लागै थारा बाबूसा थानै कचेडी ले'र ई जासी।

लीलाधर अबै किसी कचैडी खुली है।

(बारणो फेरू बाजै)

जार देख अर म्हारो कोई पूछे तो बोल दिये'क बै जैपुर गया।

(बारणो फेरू बाजै)

हरि थे माय जा'र आराम करो, आसी जिका सू म्हैं सलट लेसू।

(लीलाधर माय जावै)

(बारणो फेरू बाजै)

अरे ! कुण है उतावलियो ? तने, आधी रात नै ई ढोई कोनी ?

(बारणो बाजै)

जद ताई नाव नई बतावै, दरवाजो आज खोलू न काल।

(बारणो बाजै)

करतो जा खटखट।

(बारणो बाजै)

हाँ-हॉ, और जोर सू।

(बारणो फेरू बाजै)

तो तू इया को मानै नीं। बजरगबली, म्हैं बारणो खोलण जा रियो हूं, आवण आळै करमहीण री रक्षा करिये।

(बारणो बाजै)

हाँ-हाँ आ रियो हूँ बेटा, खटाव राख।

(हाथ मे अेक लठ ले'र हरियो बारै कानी जावै अर अेक आदमी नै पकड'र माय लावै अर सोफे माथै पटकै)

इत्तो-सारो समान, कुण है तू ?

(घमण्डीलाल अेक बडो बेग, अेक थरमस, अेक हाथ में

ब्रीफकेस अर अेक हाथ में बन्दूक सोफै माथे राखै, हरियो जोर सू हेलो मारै) बाबूजी

साची-साची बता कुण है तू ?

घमण्डी अरे भाई म्हैं लीलाधर रो दोस्त हूं।

हरि दुसमण कठैई रा, बता रोज-रोज कठै सू लावै ओ समान अर अठै क्यू राख जावै ओ समान ?

घमण्डी अरे बीरा, म्हैं लीलाधर रो दोस्त हूं घमण्डीलाल।

हरि म्हैं आज थारो पूरो घमण्ड उतार'र रैसू।

घमण्डी अरे भाई, तू म्हारो हाथ तो छोड।

हरि मर जाऊ तो'ई को छोडूनी बाबूजी !

(लीलाधर आवै अर लाइट जगावै)

लीलाधर काई बात है हरिया? क्यू रोळा कर रियो है ? कुण है औ आदमी ?

हरि आज पकड में आयो है ओ चोर।

(नेडो आ'र)

लीलाधर अरे घमण्डीलाल तू ? इत्ती रात रो अठे ?

हरि बाबूजी, थे आनै जाणो हो ?

लीलाधर अरे ओ म्हारो ब्होत पुराणो दोस्त है, घमण्डीलाल थाणैदार।

हरि थाणैदार, थे थोडी देर नईं आवता तो म्हैं आज आरौ घमण्ड पूरो उतार देवतो बाबूजी।

लीलाधर हरिया तू आज बारै जा'र सूयजा, अठै घमण्डीलालजी सूयसी।

(हरियो बारै निकळ जावै)

लीलाधर अेक बात बता घमण्डीलाल, तू इत्ती रात रो आयो कठै सू है, घर में सगळा कुसल-मगळ तो है ?

घमण्डी अरे काई बताऊ लीलाधर, अेक सिरकारी काम सू नाचणै गयो हो।

लीलाधर अरे मूरख, नाचण नै तू इत्ती दूर गयो ? अठैई आर नाच लेवतो।

घमण्डी अरे डोफा, जैसलमेर तहसील में नाचणो अेक गाव रो नाव है। भाडो बचावण रै चक्कर में अेक ट्रक में बैठग्यो। ड्राइवर दारू रै नसै में धुत ट्रक नै अेक खाई में ऊधो कर दियो। ड्राइवर, खलासी, समैत बीस जणा दब'र मरग्या। खाली म्हैं बच'र आयो हूँ।

लीलाधर देख घमण्डीलाल, तू बुरो ना मानै, सिरकार आपानै टी ए , डी ए सब-कुछ देवै, फेरू ई तू भाडो बचावण रै चक्कर में ट्रक में बैठग्यो ? तू कैवै ड्राइवर पीयोडो बळतो, ट्रक खाई में ऊधो कर दियो अर सगळा दब'र मरग्या। अगर तू ई दबर मर जावतो तो थारा सगळा टाबर-टोली रुळ जावता अर सिरकार री तरफ सू तनै पैंशन-मुआवजो की नीं मिलतो क्यू कै तू सरकारी काम रो कै'र प्राइवेट ट्रक में बैठ्यो। उलटो थारै मरिया पछै सिरकार थारै माथै धोखेबाजी रो मुकदमो चलावती।

घमण्डी म्हैं जाणबूझ'र व्होत बडी गलती करी यार, चार पइसा भाडो बचावण रै चक्कर मे म्हैं बरबाद हुय जावतो, म्हारा लुगाई-टाबर रुळ जावता।

लीलाधर सावरियो करै बा चोखी करै घमण्डीलाल, नई तो तनै म्हारै अठै आवण री फुरसत कठै ही।

घमण्डी आ बात कोनी यार, तू जाणै है कै कई तो म्हारी नौकरी ई इसी हे, ऊपर सू पाँच-पाँच टाबरा री जुमेदारी।

लीलाधर अरे घमण्डीलाल, थारो ब्याव हुया नै पूरा तीन साल ई कोनी हुया अर पॉच-पॉच टाबर ?

घमण्डी सब ऊपरआळै री किरपा है लीलाधर।

(धीरै-सी पूछै)

लीलाधर ऊपर कुण रैवै है घमण्डीलाल, अेक दिन मनै ई मिला वैसू।

घमण्डी तू इत्तो बडो टोगडो हुयग्यो लीलाधर, पण थारी बचपणैआळी

आदता को गई नी, म्हें ऊपर वाळै भगवान री बात कर रियो हूँ।

लीलाधर खैर छोड यार, पैला आ बता, खाणै में काई चालसी ?

घमण्डी खाणो मैं अेक ढाबै मे खा'र आयो हूँ। साची बात आ है यार, तीन दिना रो ओजको है, म्हैं घडी-दो घड़ी सूवणो चाऊ।

लीलाधर देख घमण्डीलाल, थारी भाभी नींद में

(बीच मे बोलै)

घमण्डी भाभी नै नींद सू उठावण सू कई फायदो ?अबै आयो हूँ तो मिल'र ई जासू। अबार तू मनै आराम सू सूवण दै।

लीलाधर देख यार, किरायै रै लालच में म्हैं म्हारो सगळो मकान किरायै माथे चढा राख्यो है। म्हारै कनै दो ई कमरा है अर दो ई माचा, अेक माचै माथै म्हैं अर म्हारा बाबूसा सोवा अर अेक माचै माथै म्हारी मा अर म्हारी घरआळी

(बीच मे बोलै)

घमण्डी देख लीलाधर, तू माचो दै या ना दै, पण सूया तो ढग मू कर यार।

लीलाधर देख, कोई चीज-बस्त री जरूरत हुवै तो बारै हरिराम सूतो है, बेनै आवाज

घमण्डी वै कुत्ते रो नाव ई ना लै लीलाधर। तू अबै माय जा अर म्हनै सूवण दै।

लीलाधर अच्छा, गुड नाइट।

घमण्डी गुड नाइट।

(लीलाधर माय जावै। घमण्डीलाल आपरो सामान आपरै कनै राख'र सूय जावै अर नींद रा खर्राटा भरै। थोड़ी देर मे हरियो धीरे-सी कमरै मे आवै। इनै-बिनै देखै अर बोलै)

हरि क्यू सूयग्या कई दाणेदार सा'ब ? म्हैं आयग्यो हूँ थारी नींद

हराम करणनै।

(हरियो घमण्डीलाल री जेवा सम्भाळे, घमण्डीलाल नींद में अेक हाथ ऊचो उठावे। हरियो धीरे-सी हाथ ने नीचो कर दै। घमण्डीलाल दूजो हाथ ऊचो उठावै। हरियो दूजो हाथ ई नीचो कर दे। घमण्डीलाल अेक पग ऊँचो उठावै, पण हरियो पाछो नीचो कर दै। घमण्डीलाल दूजो पग ऊँचो उठावै। हरियो दूजो पग ई नीचै कर दै अर अेकलो बोलै)

मनै लागै, ओ रामदेव महाराज सू योग सीख'र आयो है।

(घमण्डीलाल री आँख खुल जावै अर हरियै नै देख'र)

घमण्डी अरे, तू अठै काई करै ? चोरटा, म्हारी जेवा सम्भालै ? म्हें ब्होत कडक आदमी हूँ। साळे रै गोळी मार दूला लीलाधर ओ लीलाधर।

(लीलाधर आवै)

लीलाधर काई बात हे घमण्डीलाल, तू हाल सूयो कोनी ?

घमण्डी लीलाधर, थोडी आँख लागी कै ओ शारो पालैतू कुत्तो म्हारी जेबा सम्भाळ रियो हो। म्हें अैरै गोळी मार दूला।

(बीच मे बोलै)

हरि घमण्डीलालजी झूठ बोलरिया है बाबूजी, म्हें तो आनै पाणी रो पूछण आयो।

लीलाधर चोखी बात है। अबै तू बारै जा'र सूयजा। तनै माय आवण री जरूरत कोनी।

(हरिराम बारै जावै)

अबे आराम सू सूयजा घमण्डीलाल। अबै तनै कोई परेसान कोनी करै।

घमण्डी देख लीलाधर, म्हें दो घडी आराम करणनै आयो, पण

(बीच मे बोलै)

लीलाधर तनै बोल दियो नी, चैन सू सूयजा। अबै तनै कोई परेसान कोनी करै गुडनाइट।

(लीलाधर माय जावै-घमण्डीलाल आपरो ब्रीफकेस माथै रै नीचे राख'र सूय जावै अर खर्राटा भरण लाग जावै। थोडी देर मे लीलाधर री घरआळी नीद मे चालती कमरै मे आवै अर घमण्डीलाल रो सामान उठा'र माय ले जावै अर घमण्डीलाल री आँख खुल जावै। रुखमणी नै देखै अर जोर सू अरडावै)

घमण्डी लीलाधर ओ लीलाधर!

(लीलाधर आवै)

लीलाधर अरे क्यू रोळा करै है घमण्डीलाल। फेरू काई हुयग्यो ?

घमण्डी काई हुयो ? आ पूछ कै काई को हुयोनीं ? अबकी बार थारो पालतू कुत्तो को आयोनीं, पण थारी लुगाई म्हारो सगळो सामान उठा'र माय लेगी।

लीलाधर म्हारी लुगाई ?

घमण्डी म्हनै दाळ में कई काळो लागै लीलाधर। या तो थारी घरआळी चोरटी है या तू थारी लुगाई सू मिल्योडो है।

लीलाधर काई बकवास करै ? आखिर हुयो कई ?

घमण्डी कई को हुयोनी। म्हारो सामान पाछो कर दै, म्हैं अबार-अबार अठै सू जाऊ।

लीलाधर गैलो हुयग्यो तू ? अबार आराम सू सूयजा, म्हैं थारी सगळी चीज्या दिनूगै पाछी कर देसू

(लीलाधर माय जावै, घमण्डीलाल कई देर बैठो-बैठो सोचै अर अेकलो बोलै)

घमण्डी दिनूगै पाछी कर देसू, अबकी पालतू कुत्ते री जगै बा चोरटी

चुडैल आ'र म्हारी सगळी चीज्या उठा'र लेगी।

(घमण्डीलाल पाछो सूयजावै अर खर्राटा भरण लाग जावै- थोडी देर मे हरियो पाछो आवै अर इनै-बिनै देखै अर आपरै माथै रो केस तोड'र घमण्डीलाल रै कान मे घालै। घमण्डीलाल माछर समझ'र माछर मारै अर सूय जावै। हरियो चालाकी सू घमण्डीलाल रै माथै रै नीचै सू ब्रीफकेस काढ लेवै। इतै मे लीलाधर री घरआळी नींद मे चालती कमरै मे आवै अर ब्रीफकेस उठा'र माय जावै। घमण्डीलाल हडबडा'र उठै अर ब्रीफकेस सम्भाळै अर जोर सू हेलो मारै)

घमण्डी लीलाधर, अरे ओ लीलाधर ! म्हैं लुटग्यो, बरबाद हुयग्यो।

(लीलाधर माय आवै)

लीलाधर बार-बार क्यू परेसान करै है घमण्डीलाल ? फेरू काई हुयो ?

घमण्डी म्हैं ब्होत गलत जगै फसग्यो रे लीलाधर !

लीलाधर पण हुयो काईं ? क्यू रोळा कर रियो है ? सूजा आराम सू।

घमण्डी तनै सूवण री पडी है अर थारी घरआळी म्हारो काळजो काढ'र लेयगी।

लीलाधर काळजो ! तो तू जीवै कुकर है, मर्‌यो कोनी ?

घमण्डी देख मजाक मत कर लीलाधर, थारी घरआळी म्हारै माथै रै नीचे दबावोडो म्हारो ब्रीफकेस काढ'र लेयगी।

लीलाधर माथै रै नीचे दबावोडो ? लेजावण दे ! बा लेजा'र जासी कठै ? तू अबार तो आराम सू सूजा, म्हैं थारी सगळी चीज्या दिनूगै पाछी कर देसू।

घमण्डी तू सगळी चीज्या नै गोळी मार लीलाधर, तू तो म्हारो ब्रीफकेस पाछो करदै। ब्रीफकेस में म्हारा दो लाख अर अस्सी हजार रोकडी रिपिया है।

लीलाधर इत्ती छोटी रकम खातर तू इया अडारियो है, अगर ट्रक रै नीचै दब'र मरजावतो जणै ?

घमण्डी तो चोखो रैवतो लीलाधर, अठै आ'र म्हैं कोजी तरिया फसग्यो, नमाज पढण ने आयो हो अर रोज़ा गळै पडग्या।

लीलाधर देख म्हैं तनै कैयो नी, जी ना उठा अर आराम सू सूजा। थारै तीन दिना रो ओजको है।

घमण्डी भाड मे गयो आराम अर दरड मे गयो ओजको, तू म्हारो ब्रीफकेस पाछो कर दै, म्हैं

(बीच मे बोलै)

लीलाधर बडो लीचड आदमी है तू, म्हनैं आज पतो लाग्यो।

घमण्डी अरे ! म्हनैं पतो हो तो'ई अठै आ फस्यो। भोळै बामण भेड खाई, हमै खावै तो रामदुहाई।

लीलाधर देख घमण्डीलाल, अबै ब्होत हुयग्यो। अगर तनै थारो सगळो समान अर ब्रीफकेस पाछो लेवणो है तो मुँह बद करलै अर आराम सू सूजा। नई तो बा सामनै री कोटवाळी, जा'र रिपोर्ट कर दै। जा-जा पछै मोडो हुय जासी। नीं तो म्हैं पुलिस मे जा'र रिपोर्ट करसू कै इत्ता रिपिया थारै कनै आया कठै सू ?

(बात नै बदळतो बोलै)

घमण्डी तू म्हारो यार हुय'र किया गैली बात्या करै है लीलाधर ! जा-जा, तू माय जा अर सूवण दै मनै। म्हारै समान अर म्हारै ब्रीफकेस नै कुण खावै है। अच्छा गुडनाइट

लीलाधर पचास बार बोल दियो कै थारी सगळी चीज्या दिनूगै पाछी कर देसू।

(सोफै माथै सूतो-सूतो बोलै)

घमण्डी अरे ! कर दिये नीं यार, ऊतावळ काई है। जा-जा, माय जा गुडनाइट।

लीलाधर गुडनाइट।

(लीलाधर माय जावै-घमण्डीलाल पाछो उठ'र बेठ जावै अर अेकलो बोलै)

घमण्डी राडी-रडुवा दोनू मिल'र रिपिया गिणता हुसी। म्हैं व्हौत दौरो फसग्यो रे घमण्डीलाल। काईं ठा अवै दिन कणे ऊगसी अबै सूयजा घमण्डीलाल, अबै थारै कनै राख्यो काईं है जिको बा ले'र जासी दिनूगै पाछी कर देसूँ हूँ चोर कठैई रो, लागै राड सू मिल्योडो है।

(घमण्डीलाल पाछो सूय जावै अर थोडी देर मे खर्राटा भरण लाग जावै अर माय सू धीरै-सी हरिराम आवै)

हरि क्यू सूग्या काई घडियालचन्दजी ? म्हैं फेरू आयग्यो हूँ थानै लोरी सुणावण नै।

(हरियो घमण्डीलाल रै चारू कानी चक्कर लगावै अर घमण्डीलाल नींद मे बडबडावै)

घमण्डी अरे पूडीआळा

हरि अच्छा बेटा, इत्ती बेगी भूख लागगी, ठैर जा, म्हैं थारै खातर पराठा लेर आऊ।

(घमण्डीलाल नींद मे बोलै)

घमण्डी अरे चाय वाळा चाय।

हरि चाय क्यू बेटा, म्हैं थारै खातर कॉफी भेजू।

(घमण्डीलाल नींद में बोलै)

घमण्डी टैक्सी

हरि अच्छा बेटा, पेट भरता ई टैक्सी ? ठैर जा, टैक्सी क्यू मारुती भेजू। योगीजी नई-नई खरीदी है।

(नींद में बोलै)

घमण्डी अरे भन्सालीजी, थे मनै पचास लाख रिपिया लोन दे दो, म्है हेमाजी नै लेर नई फिल्म   कुण हेमाजी

(घमण्डीलाल हाथ ऊचो करै अर बिणी टेम ई लीलाधर री घरआळी नींद मे चालती आवै अर घमण्डीलाल रो हाथ झाल'र खींचै-घमण्डीलाल चौंक'र उठै अर रुखमणी रै लारै-लारै खींचीजै। माय सू लीलाधर आवै अर घमण्डीलाल ने देखर बोलै)

लीलाधर अरे घमण्डीलाल ! म्हारी घरआळी

(घमण्डीलाल हाथ रो इसारो करतो बोलै)

घमण्डी चिन्ता ना कर लीलाधर, दिनूगै पाछी कर देसू

(तीनू जणा फ्रीज हुय जावै अर मच माथै अन्धारो)

आदर्श ब्यांव

(दिनूगै रो बखत। बरफीचन्द रो मकान। मकान रो ड्राइग रूम सागोपाग सज्योडो। कमरे में बरफीचन्द री घरआळी इमरती सोफै माथै बैठी टी वी मे फिल्म देखे। फोन बाजै अर कई देर बाजतो रैवै-थोडी देर बाद सूट पैरोडो बरफीचन्द हाथ मे समोसा री ट्रे ले'र कमरै में आवै।)

इमरती इत्ती देर सू फोन री घन्टी बाजै। क्यू, सुणीज्यो कोनी या अबार सूई बोळा हुयग्या ?

बरफी स्टोव माथै चाय अर गैस माथै दूध चढावोडो हो, आयो-आयो जित्तै दूध न्यारो उफणग्यो।

इमरती थे काम चोखा ई चोखा करो ! दूध सगळो इ ऊफाण दियो'कै थोडो-घणो बच्यो है ?

बरफी थोडो ई ऊफणियो, थोडा हाथ तो बळग्या, पण दूध ऊफणता'ई म्हैं हिम्मत कर'र दूध रो टोपियो नीचै उतार दियो। पण टोपियो नीचै उतारिया पछै हाथ सू छूटग्यो।

(बिगडती बोलै)

इमरती अबै फोन तो उठाओ, कद सू बाजरियो है। थोडो ई हींयो घर में कोनी।

(फोन उठा'र)

बरफी हेलो, म्हैं बरफीचन्दजी रै अठै सू बरफीचन्द बोलू। थे कुण बोलो हो ? अबार बात कराऊ। थे हाथ मे झालिया राख्या। थारो फोन है, मेमसा'ब !

इमरती कुण है, नाव पूछीजै कोनी ?

बरफी म्हैं पूछ्यो, पण बा बतायो कोनी'कै इमरती सू बात कराओ- आवाज तो सैंधी-सैंधी लागी।

(फोन इमरती नै पकडावै)

इमरती कुण बोलो हो ? अरे प्रमिला तू ! चूरू सू कद आई ? अच्छा, बधाई हो, जीजोसा किया है *(हँसती बोलै)* अरे नई-नई आगोतर मे चोखा कर्योडा है ! सई बात है, हाँ, बात सुण, सिंझ्या नै घरै आवणो है। राखू, बॉय

(फोन बरफीचन्द नै पाछो झलावै)

अरे हाँ, म्हारै मोबाइल री काई हुयो, चार्ज हुयो कै नीं ?

बरफी लाइट अबार-अबार आई है।

इमरती म्हैं घन्टै भर सू टी वी देखू हूँ अर लाइट अबार आई है ?

बरफी टी वी तो इनवरटर सू चाल री है। थे समोसा खाओ, ठण्डा हुय जासी।

(फेरू फोन बाजै, बरफीचन्द फोन उठा'र इमरती नै झलावै)

इमरती इमरती बोलू, थे कुण ? अरे गणेसी, भगवान सौगन ब्होत लाम्बी उमर है। अबार-अबार तनै याद करी। चूरू सू प्रमिला आवोडी है। हाँ, हाँ, डोली बतायो'कै ब्हौत चोखी फिल्म है। म्हैं तो त्यार बैठी हूँ, बस माधुरी रै आवता'ई पूग जासू।

(फोन पाछो बरफीचन्द नै झलावै)

बरफी थे समोसा खाओ नीं। कद रा पडिया ठण्डा हुय रिया है। अै फोन तो दिन-भर आवता-जावता ई रैसी।

इमरती थारै समोसा री लाग री है, चाय रो काई हुयो ?

बरफी बस, तैयार है। अबार ले'र आऊँ।

इमरती चाय बणावण में इत्ती देर लागै ?

बरफी म्हें थोडा रातआळा बरतण साफ करण लागग्यो।

इमरती थानै हजार बार बोल दियो कै रात रा बरतण रात नै ई साफ कर लिया करो। पण थानै तो जल्दी सूवण री वळत लागै है नी।

बरफी म्हें बरतण साफ कर रियो हो, पण बीच में था मनै पान पराग रो डब्बो लावण ने बजार भेज दियो।

इमरती तो किसा विलायत भेज्या हा, अर थानै कित्ती बार म्हें बोली हूँ'कै ओ सूट पैर'र रसोई मे काम ना करिया करो। पतो है, कित्तो महगो सूट है ?

बरफी पण ओ सूट तो बै फुटपाथआळी कनै सू लियो हो।

इमरती तो बा किसी फोकट मे दियो हो ? अर सुणो, और कैनैई ना बोल दिया'कै ओ सूट फुटपाथआळी कनै सू लियो है।

बरफी आ बात कोई बोलण री थोडी है, अेकर घेवरचन्दजी मनै घणो'ई जोर देर पूछ्यो'कै भायला, ओ सूट तगडो लायो। गाठ खुलतै ई सगळा सू पैला पूगग्यो हो काई ? पण म्हें बानै गोळी गिटा दी'कै म्हारा मामी-सुसरा मगळचन्दजी इग्लैंड सू भेज्यो है।

इमरती शाबास ! इया थे हुसियार हो।

बरफी पण घेवरचन्दजी मनै फेरू तानो मारियो'कै आजकल थारा मामी-सुसरा रतनबिहारीजी रै पार्क मे आवोडा बैठ्या है, पण 'सुसियै रै तीन ई टाग।' म्हें आखिर ताई हॉ को भरीनी'कै ओ सूट गाठ मायलो है।

इमरती कुण कैवै थे भोळा हो ! लो, अै बात माथै ओ फूल म्हारै जूडै में लगा दो।

बरफी पैला थे म्हारै हाथा रा बणावोडा समोसा खाओ, कद सू पडिया ठडा हुयरिया है। म्हें थारै खातर चाय ले'र आऊँ। जूडै में फूल पाछो आ'र लगा देसू।

(बरफीचन्द माय जावण लागै)

इमरती थोडा इनै आया।

बरफी हुकम मेमसा'ब।

इमरती आज इत्ता वेगा त्यार हुयर सिध आ रिया हो ?

बरफी म्हैं तो रोज त्यार हुयर'ई काम में लागू ताकि काम खत्म हुवता'ई दफ्तर पूग जाऊँ।

इमरती पण आज तो छुट्टी रो दिन है बुधीप्रकाशजी ?

बरफी अरे हा, आज तो अदीतवार है। म्हैं तो भूल ई गयो। आज थानै ई फिल्म देखण नै जावणो है नी। सनी देवल व्होत बढिया एक्टिंग करी है।

इमरती था फिल्म देखी है ?

बरफी देखी तो कोइनी, पण दफ्तर में सुशीला बात्या करती।

इमरती सुशीला ! कुण है आ सुशीला ?

बरफी म्हारै दफ्तर में सफाई कमचारी है। अगले महीनै रिटायर हुय जासी, पण थारै दाई फिल्म देखणी को छोडेनी।

इमरती माधुरी हालताई आई कोनी, फिल्म तो कणै ई सुरू हुयगी हुसी।

बरफी माधुरी नै फोन कर'र पूछलो नी।

इमरती बैरो फोन खराब पडियो हे। अरे हाँ, काम खतम हुयग्यो तो थे मनै सिनेमा तक छोड आओ, ड्राइवर री तो आज छुट्टी है।

बरफी म्हें छोड'र आऊँ ! आज तो छुट्टी रो दिन है अर म्हारै ढेर-सारा कपडा धोवणा पडिया है अर सिंझ्या नै थारा मेहमान आ जासी बियारै खातर तैयारी न्यारी करणी है।

इमरती अरे हॉं, आ बात तो म्हैं भूल'ई गी

(बीच मे बोलै)

बरफी मेमसा'ब, अेक बात बोलू।

इमरती थे आर ए एस अफसर हो। आयै-गये रै सामी मनै मेमसा'ब

ना बोल दिया, डार्लिंग या मैडम, समझग्या नी ?

बरफी — समझग्यो मेमसा'ब, अरे ! मेडम।

इमरती — काम खतम हुवण में कित्ती देर है ?

बरफी — नास्तो तो त्यार है। बस, थोडा-सा बरतण-भाडा माजणा है। पण म्हैं पैला कपडा धोसू अर मकान री सफाई पछै करसू।

इमरती — बाद में नळ चल्यो गयो तो ?

बरफी — बींरी परवा कोनी, क्यू'कै म्हें बेगो उठ'र सगळा बरतण-भाडा भर लिया।

इमरती — ठीक है, पैला जाओ अर धोबी सू म्हारी धोतिया अर लहगो-ओढणी ला दो।

बरफी — बै तो म्हैं काल दफ्तर सू आवती टैम ई ले आयो, क्यू'कै आज दुकाना बन्द रैवै।

इमरती — कणै-कणै तो थे गजब ई करो। लो, ओ फूल म्हारै जूडै मे लगावो। थे म्हारो कित्तो ध्यान राखो !

बरफी — थे म्हने सरमिन्दा कर रिया हो, धणी-लुगाई अेक गाडी रा दो पइया दाई हुवै अर घेवरचन्दजी रो तो ओ कैवणो है कै लुगाई बेटो जिणै तो आदमी नै छोरी जिणनी चाइजै।

इमरती — बकवास बन्द करो। सरम को आवैनी अैडी बात्या करता नै ?

बरफी — गलती हुयगी, मैं तो
(हाथ माय सू फूल खोस'र)

इमरती — जावो पैला चाय ले'र आओ।

बरफी — अबार लाऊँ, जितै थे समोसा खावणा सुरू करो, कद सू पडिया ठडा हो रिया है।

इमरती — म्हे कई कयो, सुणियो कोनी ?

बरफी — अबार लाऊ।

(बरफीचन्द माय जावै अर इमरती फिल्म फेअर पढती-पढती अेक समोसो उठा'र खावण लागै, बरफीचन्द चाय ले'र आवै अर इमरती समोसो थूक'र)

इमरती अै कई बणाया है ?

बरफी समोसा डारलिंग, म्हारै दिमाग सू बणाया है। किस्साक है ?

इमरती कित्ताक बणाया है ?

बरफी साठ-सत्तर नग तो पक्का हुसी। मेहमान चावै धाप-धाप'र खाओ। साची-साची बताया, समोसा किसा'क बण्या है ?

इमरती थारो सिर, राम खावै थानै।

बरफी राम खावै ! क्यू समोसा काचा रैग्या ?

इमरती नई।

बरफी आलू घणा उबळग्या ?

इमरती नई।

बरफी तो तेल काचो रैग्यो ?

इमरती नई बीरा, नई।

बरफी तो समोसा में किरकिर है ?

(बिगड'र)

इमरती नई-नई-नई।

(जोर सू बोलै)

बरफी तो काई कमी रैगी समोसा में ?

(खडी हुय'र)

इमरती समोसा में लूण घाल्यो ?

बरफी लूण ! लूण तो को घाल्योनीं।

इमरती लाल मिरची ?

बरफी कुटोडी या पीसोडी ?

इमरती धणियो ?

बरफी धणियो छुट्टी माथै हो।

इमरती अरे म्हारा बाप, हरो धणियो अर पोदीणो घाल्यो ?

बरफी पोदीणो तो कनै पडियो हो, पण म्है वींरी चटणी बणा ली।

इमरती अर मीठो सोढो ?

बरफी मीठो सोढो डिब्बे मे कोनी हो। म्हैं वींरी जगै थोडो कास्टिक सोढो घाल दियो।

(समोसै नै बरफीचन्द माथै फैंकै)

इमरती औ समोसा बणाया है या कपडा धोवण री साबण ?

बरफी आनें राख दो, म्हैं दूसरा बणा लाऊँ।

इमरती आनै ले जाओ अठै सू।

(बरफीचन्द समोसा उठा'र ले जावै, इमरती चाय पीवण लागै अर माय सू कई टूटणै री आवाज आवै)

अरे ! काई तोड नाख्यो, भागवान ?

(माय सू आवाज आवै)

बरफी नुवै वाळो टी-सेट टूटग्यो मैडम।

(बारै सू माधुरी आवै)

इमरती हे सावरिया, म्हा माय सू अेक नै उठा लै अठै सू। हो सकै तो पैला आनै उठाए।

माधुरी क्यू इमरती बैन, इत्तो बेगो जी भरग्यो दुनियादारी सू ?

इमरती काई करू माधुरी, अेक टकै रो तो काम को करै नीं अर आयै दिन नुकसाण माथै नुकसाण करता रैवै।

माधुरी आखिर हुयो काई, दिनूगै-दिनूगै महाभारत ?

इमरती अबे काई बताऊ, काल लेमण सेट तोड्यो अर आज थारेआळो टी-सेट तोड नाख्यो।

माधुरी म्हारैआळो टी-सेट ?

(माधुरी बेहोस हुय'र सोफै माथै पड जावै)

इमरती माधुरी माधुरी ! *(जोर सू हेला मारे)* अजी सुणो तो ?

(बरफीचन्द दौडतो-सो आवै)

बरफी काई बात है, डार्लिंग ?

इमरती डार्लिंग गई भाड में ? देखो तो अेकाअेक माधुरी रै कई हुयग्यो ?

(कनै जाय'र)

बरफी माधुरीजी-ओ माधुरीजी, आँख्याँ खोलो रसमाधुरीजी, देखो कुण आयो है ? अेकाअेक काई हुयग्यो थाणै ?

इमरती माधुरीजी रा बच्चा, जल्दी सू डाक्टर गाधी नै फोन करो।

बरफी डाक्टर सा'ब, म्हैं बरफीचन्दजी रै घर सू बरफीचन्द बोलू। घेवरचन्दजी री घरआळी, म्हारी घरआळी सू बात्या करती-करती अेकाअेक बेहोस हुयगी। थे फौरन आ जावो काई ? अच्छा-धन्यवाद। बधाई हो मेम सा'ब, माधुरी मा बणनआळी है।

इमरती अरे ! थारी जुबान रै लॉंपो लागै, माधुरी दस साल पैला ई ऑपरेशन करा लियो, जल्दी सू अेक गिलास पाणी ले'र आओ। माधुरी माधुरी

(बरफीचन्द दौड'र जावै अर पाणी लावै, माधुरी आख्या खोलै)

माधुरी म्हैं कठै हूं ?

(बीच मे बोलै)

बरफी सोफै माथै, इमरती री गोदी में।

इमरती अेकाअेक थारै काई हुयो माधुरी ?

बरफी पाणी, मैडम।

इरमती कोई जरूरत कोनी, जल्दी सू दो कप चाय ले'र आओ।

(बरफीचन्द पाणी खुद पी जावै अर दौडतो-सो माय जावै)

इमरती काई बात है माधुरी, अबै किया है तबीयत ?

माधुरी इया है इमरती बैन, ओ टी-सेट म्हारो कोनी हो। म्हैं दो दिना खातर चतरबैन सू माग'र लाई।

इमरती तो अैमे इत्ती चिन्ता करण री काई बात है, बजार चाल'र दूजो सेट ले आसा।

माधुरी बो जापानी सेट हो, अठै मिलणो ब्होत मुस्किल है।

(बरफीचन्द चाय लेर आवै अर अेक प्लेट मे समोसा)

बरफी चाय, मैडम !

(बिगड'र)

इमरती पैला आ समोसा रै चूचो लगाओ, ले जावो अठै सू।

माधुरी काई है समोसा रै ? जीजोसा, था बणाया है ?

इमरती सुणियो कोनी, आनै माय ले जावो बाळो।

(बरफीचन्द समोसा माय ले जावै)

माधुरी काई है समोसा रै ? पाछा क्यू भेज्या ?

इमरती डब्बै में मीठो सोढो कोनी हो, आ बा में मीठे सोढै री जग्या कास्टिक सोढो घाल दियो।

(माधुरी हँसता-हँसता चाय पीवती उळझ जावै अर इमरती चाय पी'र पाछी थूकै अर बरफीचन्द पाछो आवै)

आ चाय बणाई है या सरबत ?

(घबरा'र)

बरफी माफ करो, म्हैं खाड लेर आऊँ।

(बरफीचन्द दौडतो-सो माय जावै)

इमरती अबै तू ई बता माधुरी, म्हैं इसै भरतार नै ले'र मरू या जीऊ ?

माधुरी देख इमरती, कई तो तू जीजोसा रै सीधेपण रो नाजायज फायदो उठावै, आयै-गयै रै सामनै तो बानै इया ना डाटिया कर। अेक बार ढग सू काम सिखा दै

(बीच मे बोलै)

इमरती अरे, म्हैं तो सगळो काम आसू ई कराऊ, अै खातर म्हैं नौकर नै ई काढ दियो। नईं तो अै रिटायरमेन्ट ताईं को सीखता नीं।

माधुरी कई भी हुवो, अै मामले में सावित्रीबैन ब्होत किसमतआळी है। साळगरामजी चाय काई, खाणो ई इत्तो चोखो बणावै कै चावै खावता ई जाओ, पेट को भरीजै नीं।

इमरती चालो, चाय बठैई चाल'र पीसा।

माधुरी थोडी देर ठैर'र चालसा। साळगरामजी रस्तै में मनै टकरिया, स्टोव ठीक करावण जा रिया हा।

इमरती अर सुरसुती ?

माधुरी बा फिल्म देखण गई है।

इमरती साची माधुरी, तू आवण में देर करदी नई तो

(बीच मे बोलै)

माधुरी काई करती, बानै दिनूगै साडी प्रेस करण रो वोल्यो, हाल ता'ई को करीनीं। अै खातर कालआळी धोती पैर'र आई हूँ।

(बै टेम ई बारै कानी सू घेवरचन्द हैगर मे साडी लटका'र आवै)

इमरती अै लो, याद करताई जीजोसा पधारग्या।

(दोनू हाथ जोड'र इमरती नमस्ते करै)

नमस्ते जीजाजी।

(घेवरचन्द दोनू हाथ जोड'र पाछो नमस्ते करै। हेगर अर साडी नीचै पड जावै। साडी उठावण नै दोनू नीचै झुकै अर आपस मे टकरा'र पाछा पड जावै-माधुरी साडी उठा'र झडकावै अर चिल्लावती बोलै)

माधुरी थानै साडी ले'र अठै आवण रो कुण कैयो हो ?

घेवरचन्द तू बिना कैया-सुण्या नाराज हुयर आयगी, पैला मैं विश्वज्योति सिनेमा गयो, पण बठै बोर्ड टगरियो के आज अग्रेजी फिल्म नई दिखाई जावेगी। फेर मैं मिनर्वा सिनेमा गयो, बठै चैरिटी में जोरू रो गुलाम लागोडी ही। फेरू म्हैं बागआळै थियेटर गयो, बठै भीड रा गट मिलोडा अर टिकट खातर सुरसुतीबैन लाइन में खडी। भीड में मिनख तो कम अर लुगाया घणी। धक्का-मुक्की में सुरसुती पडगी अर दोनू टाग्या टूटगी। म्हैं पी बी एम में भरती करा'र आयो हूँ। डाक्टर बोल्यो—दोनू टाग्या काटणी पडसी। सुरसुतीबैन नै सुगर है। म्हैं तो डरतो साडी लेर अठै आयग्यो।

माधुरी पण थानै अठै आवण रो कैयो कुण हो ?

घेवरचन्द कैयो तो कुण ई कोनी, पण लाइट जावै परी अर म्हनै प्रेस करण में देर लाग जावै तो अैमै म्हारा के कसूर है ? इया म्हैं थानै कित्ती बार बोल्यो है कै घर में अेक कोयलैआळी प्रेस भी हुवणी चाईजै। जिया लाइट रै जावता'ई टी वी री जग्या ट्राजिस्टर स्टार्ट करला, बिया ई लाइट रै जावता'ई कोयलैआळी प्रेस जगाला, पण म्हारी सुणै कुण है !

माधुरी अबै बकवास करणी बद करो अर माय जार काम में थोड़ी जीजाजी री मदद करो।

घेवरचन्द माय जाऊ, पण म्हैं थोडी-घणी में विसवास को करूनी। जणै कैरी मदद ई करणी है तो थोडी क्यू, पूरी करणी चाइजै ताकि सामनैआळै नै ठेरो तो पडै कै कोई म्हारी मदद करी। क्यू इमरतीजी म्हैं कूड़ कैयो है ?

(बीच मे बोलै)

माधुरी — साची कैरिया हो थे, पण थानै हजार वार रो लिया कै थे जरूरत सू घणा ना बोल्या करो।

घेवरचन्द — अबै म्हैं घणो कठै बोलू हूँ। अेक टेम हो जणै म्हैं बोल्या करतो, पण थारै मना करिया पछै फिजूल रो म्हैं अेक सबद ई को बोलूनीं, वरना मजाल है बै दिन पडौसी म्हनै गाळ काढ'र चल्यो जावतो। अगर बो म्हनै अेक गाळ काढतो तो म्हैं बींनै बीस गाळ्या काढतो। अगर बो मनै बीस गाळया काढतो तो म्हैं बींनै चाळीस गाळ्या काढतो। अगर बो चाळीस गाळ्या काढतो तो म्हैं बींनै अस्सी गाळ्या काढतो। अगर बो अस्सी गाळ्या काढतो तो म्हैं बींनै

(बीच मे बोलै)

माधुरी — अेक सौ साठ गाळ्या काढता ?

घेवरचन्द — गणित तो थारी भी ठीक है। अगर बो मनै अेक सौ साठ गाळ्या काढतो तो म्हैं बीनै तीन सौ बीस गाळ्या काढतो।

माधुरी — म्हैं कैऊ हूँ, अबै चुप रैवण रो काई लेसो ?

घेवरचन्द — तू कैवै है तो चुप हुय जाऊ, वरना बो मनै तीन सौ बीस गाळ्या काढतो तो म्हैं बींनै छ सौ चाळीस गाळ्या काढतो।

माधुरी — थे हमैं माय जाओ हो या म्हैं माय जाऊ ?

घेवरचन्द — तनै जावणो ई है तो माय क्यू, घरै जावैनी। उतावळ में, म्हैं घर खुलो ई छोड'र आयो हूँ।

माधुरी — काई बोल्या थे ?

घेवरचन्द — कई नीं, म्हैं माय जाऊ। बरफीचन्दजी अेकला काम में मरता हुसी।

(घेवरचद माय जावण लागै अर इमरती बोलै)

इमरती अगर बो म्हनै 640 गाळ्या काढतो तो म्हैं बीनै

(घेवरचन्द पाछो मुड'र)

घेवरचन्द 1280 गाळ्या काढतो। अगर बो 1280 गाळ्या काढतो तो म्हैं बींनै 2560 गाळ्या काढतो।

(मुळक'र)

इमरती अगर बो थानै 2560 गाळ्या काढतो तो थे बींनै कित्ती गाळ्या काढता जीजाजी ?

घेवरचन्द अगर बो म्हनै 2560 गाळ्या काढतो तो म्हैं बींनै पूरी 5120 गाळ्या काढतो।

इमरती अगर बो थानै गाळ्या काढणी बद कर'र बठै सू चलो जावतो तो थे काईं करता जीजाजी ?

घेवरचन्द अगर बो गाळ्या काढणी बद कर'र बठै सू चल्यो जावतो तो म्हैं बींरै पाछो आवणताई बठै खडो-खडो गाळ्या काढतो रैवतो।

इमरती अच्छा, आ बताओ जीजाजी कै बो थासू माफी माग लेवतो तो थे काई करता ?

घेवरचन्द अगर बो म्हारैं सू अेक बार माफी मागतो तो म्हैं बींसू बीस वार माफी माग लेवतो। अगर बो बीस बार माफी मागतो तो

(बीच में बोलै)

माधुरी अबै थे माफिया ई मागता रैसो या माय जा'र कई काम भी करसो ?

घेवरचन्द माय ई तो जा रियो हूँ, इत्ती दौरी क्यू बोलै है ?

माधुरी सरम को आवैनी, जीजाजी मायनै अेकला काम कर रिया है ?

घेवरचन्द अगर जीजाजी माथै इत्ती तरस आ'री है तो तू हुज्जत क्यू करै, जा परी माय।

(रीस खा'र उठै)

माधुरी काई बोल्या ? दूसर बोल्या तो।

घेवरचन्द म्हैं अेकर ई बोलू। ध्यान सू सुणृया कर।

माधुरी थे माय जाओ हो या थानै ध्यान कराऊ ?

घेवरचन्द जा तो रियो हूँ, अबै भायली नै देख'र घणी इत्तर ना ?

(सोफै माथै बैठती-बैठती पाछी उठै)

माधुरी इतराऊ कई थानै ?

(घेवरचन्द माय जावै)

माधुरी चाल इमरती, गणेसी रै अठै चाल'र चाय पीसा। दिनूगै-दिनूगै मूड ओफ कर नाख्यो।

इमरती मूड ओफ कर नाख्यो। अरे मनै तो इत्तो मजो आयो'कै फिल्म देखण में ई को आवतो नीं।

माधुरी ठीक है, तू अठै बैठी मजो लेवती रै, म्हैं तो चाल

इमरती अरे इया किया भागै है माधुरी, म्हैं चालू हूँ नी।

(आवाज लगावै)

अजी सुणो हो ?

(घेवरचन्द पाछो आवै)

घेवरचन्द हुकम करो।

(बीच मे बोलै)

माधुरी थानै कुण बुलाया है ? जीजाजी नै बारै भेजो।

घेवरचन्द गरज हुवै तो दूसर हेलो मारलै।

माधुरी काई बोल्या, म्हारो नाव जाणो हो नी ?

घेवरचन्द काम अर नाव जाणतो तो आ घन्टी गळै में थोडी'ई बाधतो ?

माधुरी आज घरै चाल'र खबर लेसू थारी।

घेवरचन्द अठै कुण पालै है तनै ?

(माधुरी रीस खा'र उठै, इमरती बीच में पड़ै)

इमरती — अरे ! अरे ! काईं करै है माधुरी ?

माधुरी — तू बीच माय सू हट जा इमरती, म्हैं आज आरो खून पी जासू।

घेवरचन्द — क्यू, चींचड है या भैंस री जूँ ?

माधुरी — अरे, थे मर जावोला म्हारै हाथ सू।

इमरती — प्लीज जीजाजी, थे माय जावो, अैरै बरावर ना हुवो।

(रोवतो-सो बोले)

घेवरचन्द — चौबीसू घन्टा म्हनै खावती रैवै। बरदास्त री भी अेक हद हुवै।

(रोवण लाग जावै-इमरती आपरो रूमाल दैवै। घेवरचन्द जोर सू नाक साफ कर'र पाछो रूमाल इमरती नै दैवै)

इमरती — प्लीज जीजाजी, थे माय जावो, थानै म्हारी सौगन है।

घेवरचन्द — अरे प्रेम सू तो म्हैं माय क्यू, ऊपर जावण नै ई त्यार हूँ।

इमरती — अबार ऊपर नईं जीजाजी, अबार तो थे माय ई जावो। प्लीज जीजाजी, म्हारा आच्छा जीजाजी।

घेवरचन्द — देख्यो, अैनै कैवै माय भेजण रो तरीको।

(घेवरचन्द माय जावै, इमरती जोर सू आवाज दैवै)

इमरती — अजी सुणो हो नी

(हाथ मे सैन्डल लिया बरफीचन्द आवै)

बरफी — हुकम मेमसा'ब।

इमरती — कद सू हेला पाड री हूँ। क्यू, काना रा पडदा फाटग्या ?

बरफी — पडदा तो ोवी नै धोवण नै देवोडा है।

इमरती — काई करता ा मायनै ?

बरफी — सैन्डल पालिस कर रियो हो।

इमरती — म्हैं गणेसीबैन रै अठै जाऊ।

बरफी पधारो, अगर मोडो-बेगो हुय जावै तो म्हैं घेवरचन्दजी नै अठै ई सुवालू ?

इमरती क्यू, हीयो घरै कोनी काई ? सिझ्या नै

(बीच मे बोलै)

बरफी अरे हाँ, सिंझ्या नै आपणै अठै पावणा आवणआळा है।

(बीच मे बोलै)

माधुरी आजकाल जीजाजी काफी समझदार हुयग्या।

बरफी आ सब था लोगा री किरपा है, वरना म्हानै कुण कुतडो पूछतो।

इमरती आवै नीं माधुरी, क्यू मूढै लागै है आँरै।

(इमरती अर माधुरी बारै जावै, बरफीचन्द जोर सू)

बरफी बारै आजा घेवरचन्द, लाइट गई।

(घेवरचन्द बारै आवै)

घेवर क्यू, चुडैला गई ?

बरफी अबार तो गई, पण ध्यान राखै, पाछी कदैई भी आ सकै।

घेवर इत्ती वेगी आया करै ! गई दो-तीन घन्टा री। पैला बै होस्पिटल जासी अर बठै सुरसुती लाधै कोनी। क्यू'कै म्हैं झूठ बोल्यो'कै बींरी दोनू टाग्या टूटगी।

बरफी क्यू, दोनू टाग्या टूटी कोनी ?

घेवर नई रै यार, इया टाग्या टूट्या करै ? म्हैं तो औ खातर कैयो ताकि बै अठै सू जल्दी दफा हुय जावै।

(दोनू जोर सू हँसै)

बरफी लै सिगरेट तो जगा बाळ।

(सिगरेट जगावै अर धुओ छोडतो बोलै)

सुणा, किया कटरी है थारी ?

घेवर कट कई रही है यार, बस काट रियो हूँ, अर घसीट रियो हूँ।

बरफी घसीट क्यू रियो है ? आखिर इत्तो बडो अफसर है, घर रो घर में बैठो है, और काई चाईजै तनै ?

घेवर काई चाईजै ? दफ्तर में म्हनै देखता'ई सगळो स्टाफ ऊभो हुय जावै अर घर में बा म्हनै अेक मिंट बैठण दै कोनी।

बरफी म्हारी हालत थारै सू ई घणी माडी है दोस्त। दफ्तर मे म्हैं करमचारिया नै डाट मारू अर घर में म्हनै डाट खावणी पडै।

(दोनू गळै लागता बोलै)

घेवर बरफी !

बरफी घेवर !

बरफी म्हैं तनै पैला'ई बोल्यो हो'क ब्याव हुवताई लुगाई माथै हावी हुय जाए।

घेवर बोल्यो हो यार, पण बै रडार हावी हुवण रो मौको ई नीं दियो। थोडै-सै दायजै अर मारुती रै लालच में उमर-भर रो रोग लगा लियो।

बरफी तो अबे रोवै क्यू है। करतो जा सेवा, अेक-न-अेक दिन जरूर मिलसी मेवा।

घेवर कमाल है यार, तू तो इया इतरा रियो है जाणै तू लुगाई सू थोडो ई को डरैनीं।

बरफी अरे अैमै डरण री काई बात है, घेवरचन्द। आदमी नै अेक-न-अेक दिन तो जावणो ई है।

घेवर तनै सरम नीं आवै ? तू मरद हुय'र लुगाई री सैन्डल पालिस करै ?

बरफी तू ई घणो लाड में मती आ। तू अवार-अवार लुगाई री साडी प्रेस कर'र लायो हो। इत्तो बेगो भूलग्यो बाईगट्टा ?

घेवर मूढो सभाल'र बात कर। रसोई मे जा अर आटो गूध। सिंझा नै थारा कुणकाया गिटण नै आवणआळा है।

बरफी अवै तू चामडी रै बारै हुयर ना फुदक। तू कई है अर घर में थारी काई औकात है, म्हासू छानी कोनी।

घेवरचन्द अर तू कित्ते पाणी में है, म्हारै सू'ई छानो कोनी। लानत है मरद हुय'र लुगाई रा पग दबावै।

बरफी अरे, म्हारो वस चालै तो म्हैं वै रडार रो गळो ई दबा दू, पण

(बीच मे बोलै)

घेवर रैवण दै, रैवण दै। गळो दबावणआळा रात रा बरतण रात रा ई साफ को करैनीं।

बरफी वात वराबर है भायला। म्हैं घर री धुलाई करू अर भाभी थारी धुलाई करै।

घेवर देख बरफीचन्द, तू अबै म्हारो मूढो ना खुला। तू लुगाई री पाती रो करवा चौथ रो व्रत राखै।

बरफी अरे! बा दो जीया बैठी ही।

घेवर कठै है वै दो जीव, बोल तो।

(हँसतो बोलै)

बरफी खायो-पीयो काई कोनी अर गिलास तोडी पाँच रिपिया।

(दोनू हँस'र गळै लागै)

घेवर सीरियस क्यू हुयग्यो नटवरलाल ?

बरफी बात्या ई बात्या में आपा कठै रा कठै पूगग्या।

घेवर जठै आपा नै नई पूगणो चाइजै।

बरफी पण करा काई ? काई समझ में नीं आवै।

घेवर म्हैं तनै कित्ती बार बोल्यो'कै कोई-न-कोई तरीको निकाळ, नई तो सिर-पैर, सिर-पैर करता-करता अेक दिन दोना रो इया ही

सास निकळ जासी।

बरफी तो अैरै खातिर आपानै हिम्मत सू काम लेवणो पडसी।

घेवर कई बार हिम्मत सू काम लियो हो यार, पण घर में महाभारत छिडग्यो।

बरफी बो किया ?

घेवर बा चुडैल म्हनै मारती भी रैई अर बचाओ-बचाओ भी करती री। अर सगळो मोहलो भेळो कर लियो।

बरफी केस कोम्पलिकेटेड है घेवरचन्द। अेक काम कर।

घेवर काम तो म्हैं दिन-रात करू, पैला घर मे, पछै दफ्तर मे।

बरफी देख घेवरचन्द !

(आन्धो हुवण री ऐक्टिंग)

घेवर कठै है तू ? म्हनै तो काई नजर को आवैनीं।

बरफी देख, मजाक छोड।

घेवर छोड दी।

बरफी जिया म्हैं केऊ, तू करतो जा। नम्बर अेक तनै साडी प्रेस करण रो बोलै, तू साडी बाळ दै।

घेवर तनै साडी प्रेस करण रो बोलै, तू साडी बाळ दै।

बरफी म्हारी नकल नई, म्हैं जीया बताऊ तू करतो जा।

घेवर म्हारी नकल नई, म्हैं जीया बताऊ तू करतो जा।

बरफी काई बकवास करै है ?

घेवर काई बकवास करै है ?

बरफी अजीब आदमी है !

घेवर अजीब आदमी है !

बरफी बकवास बंद कर।

घेवर बकवास बद कर।

बरफी शटअप।

घेवर शटअप

(बरफीचन्द माथो झाल'र बैठ जावै)

काई हुयो बरफीचन्दजी चुप हुय'र क्यू बैठग्या ?

बरफी घन्टोभर हुयग्यो तनै बकवास करतै नै।

घेवर कमाल है यार तू ई तो बोल्यो'कै म्हैं करू बिया करतो जा।

बरफी पण म्हैं आ थोडी बोल्यो'कै तू म्हारी नकल उतार।

घेवर अच्छा, गलती हुयगी, बोल म्हनै काई करणो है ?

बरफी पैला तू सीरियस हुयजा।

घेवर ओ लै, सीरियस हुयग्यो। बोल काई करणो है ?

बरफी देख, तनै साडी प्रेस करण रो बोलै, तू साडी बाळ दै। खाणो बणावण रो बोलै, खाणो बाळ दै। चाय बणावण रो बोलै, टी-सेट तोड दै।

घेवर टी-सेट तू अबार तो तोड्यो बाळ्यो हो।

बरफी परवा ना कर, म्हैं जिया कैऊ, करतो जा।

घेवर म्हनै साडी प्रेस करण रो बोलै म्हैं साडी बाळ दू ?

बरफी जगै-जगै सू, ताकि पैरण लायक नीं रैवै।

घेवर खाणो बणावण रो बोलै, म्हैं खाणो बाळ दू ?

बरफी राख कर दै।

घेवर टी-सेट बणावण रो बोले चाय तोड दूँ।

बरफी टुकडा-टुकडा हुय जावणा चाईजै।

घेवर नौकरी म्हैं करू हूँ या बा चुडैल ?

बरफी नौकरी आपा करा, वरना बै आपा रै ठोकरा मारती।

(बरफीचन्द माथो झाल'र बैठ जावै)

घेवर काईं हुयो बरफीचन्दजी, लाइट चली गई काईं ?

बरफी म्हारै सू मोटो दूजो कोई पागल कोनी ?

घेवर अै बात रो तनै पतो कद चाल्यो ?

बरफी कई दिना सू म्हैं म्हारै ई घर में नुकसाण माथै नुकसाण कर रियो हूँ। काल लेमन सेट तोड़्यो, आज थारैआळो टी-सेट तोड नाख्यो। म्हारो बस चालै तो म्हैं दुनिया में ऐलान कर दू'कै कोई आदमी ब्याव ई नीं करै। अगर करै तो अेक पइसै रो दायजो नीं लेवै।

घेवर अै खातर घडी-घडी कैऊ'कै कोई-न-कोई तरीको निकाळ। नई तो चूल्है में फूक मारता-मारता अेक दिन आपणी ई फूक निकळ जासी।

(उचक'र उठै)

बरफी अेक तरीको याद आयो।

घेवर जल्दी बता।

बरफी बो शेर।

(डर'र सोफै माथै बैठ जावै)

घेवर कठै है शेर, म्हनै तो गीदड सू ई डर लागै।

बरफी अरे, असली शेर नईं यार।

घेवर तो शेर ई नकली आवण लागग्या ?

बरफी म्हारो मतलब शेरो-शायरी सू है, समझ्यो।

घेवर ब्होत देर सू समझ्यो हूँ यार, अगर पैला समझ जावतो तो मजाल है केनैई अेक लोटो पाणी पा देवतो। बोल बै शेर रो काईं हुयो ?

बरफी म्हैं शेर री बात करी अर तू रोवणो सुरू कर दियो। दुखी तू अेकलो कोनी, म्हैं थासू घणो हूँ।

घेवर आज रै बाद आपा घर रो कोई काम को करानीं।

बरफी थोडो जोर सू बोल, मजो को आयोनीं।

घेवर अबकी आसी। आज रै बाद आपा घर रो काई काम को करानीं।

बरफी शाबाश, म्हारा मिट्टी रा शेर!

घेवर रात री बकरी, दिन री भेड।

बरफी अेक बार फेरू रोब सू बोल।

घेवर आज रै बाद आपा घर रो कोई भी काम

(बै टेम इमरती अर माधुरी घर माय आवै, घेवरचन्द बात बदळतो बोलै)

मन लगार करसा।

बरफी तहे-दिल सू करसा।

घेवर इटरेस्ट लेर करसा।

बरफी जी-जान सू करसा।

(कने आय'र)

इमरती काई हो रियो है ओ नाटक?

(दोनू जणा सागै बोले)

म्है लोग दिल लगा'र काम करण री सपथ ग्रहण कर रिया हा।

माधुरी दो मिनट बारै जावता'ई बगावत करणी सरू कर दी?

(दोना रा कान झाल'र)

इमरती साची-साची बोलो, काई प्लान हो थारो?

माधुरी बोलीजै कोनी?

इमरती हमै साप क्यू सूघ ग्यो?

माधुरी मूढै में जुबान कोनी काई?

(बारै कानी सू इमरती अर माधुरी रा बाप आवै)

सूबेदार इमरती, काईं हो रियो है ओ तमासो ?

थाणेदार माधुरी ! काईं बात है, कवरसा'ब रा कान क्यू पकड राख्या है?

माधुरी आजकाल आनै थोडो कम सुणीजण लागग्यो बाबूसा। म्हे आरै काना रो मेल काढा।

सूबेदार इया काना रो मैल काढण रो योग कुण सिखायो है थानै ?

माधुरी रामदेव बाबै।

थाणेदार थे रामदेव बाबै रै अठै कद गई ?

इमरती रोज दिनूगै पाँच बज्या टी वी में दिखावै।

(बीच में बोलै)

घेवर अै दोनू कूड बोले है बाबूसा। अै नऊ बज्या सू पैला तो कदैई उठैई कोनी।

सूबेदार था लोगा नै सरम आवणी चाइजै, थे थारा मोटियारा रा कानडा खींचो ? थे भारत री नारिया हो !

थाणेदार था दोना री शिकायत म्हारै कनै कद सू ई आ री ही अर आज म्हा म्हारी आख्या सू देखली।

घेवर कसूर आरो कोनी बाबूसा।

सूबेदार म्हे ब्होत सरमिन्दा हाँ बेटा, म्हारै घरा में इसी कुमाणस बेट्याँ जलमी।

बरफी नईं-नईं बाबूसा ! सगळो कसूर म्हा लोगा रो'ई है। म्हे सिरकारी नौकर हुय'र आदर्श ब्याव रो ढोग करियो अर आप कनै सू मारुती अर घणै-सारै दायजै री माग करी अर दायजै रै लालच में म्हा लोगा आनै इत्ती माथै चढा ली कै

(बीच मे बोलै)

घेवर अबै माथै सू उतारणी दौरी हुयगी। म्है लुगाई री जग्या दिनूगै पॉच बज्या उठू अर पाणी भरू, दूध लेर आऊ, कपडा धोऊ,

बरतण-भाडा माजू, फेरू चाय बणा'र पछै अैनै हेला मार'र उठाऊँ।

बरफी — आप म्हानै मारुती दिराई, पाँच साल हुयग्या, पण म्हे आज ताई मारुती मे अेक बार ई को बैठ्या नीं।

घेवर — ड्राइवर राख छोड्या है, पण म्हानै गाडी को चलावण देवैनीं।

सूबेदार — अवै काई कैवण री जरूरत कोनी बेटा, म्हानै सगळी रिपोर्ट मिलगी।

थाणेदार — अर आज म्हा म्हारी आख्या सू देख लियो कै कुण साचो है अर कुण कूडो।

सूबेदार — म्हे आज सू तसल्ली कर लेसा कै म्हारै औलाद हुवता'ई मरगी।

(दोनू जण्या खसमा रा कान छोड'र आप-आप रा कान झाल'र)

इमरती — म्हानै माफ कर दो बाबूसा, म्हे म्हारै कियै माथै व्होत सरमिन्दा हा।

माधुरी — हाँ बाबूसा, म्हारा बाप थाणेदार अर सूबेदार है, अै ओट मे अै लुगाया बणगी अर म्हे दोनू खसम।

सुबेदार — अगर माफी मागणी है तो थे थारै मोटियारा सू मागो जिका थानै आज ताई परोटी।

इमरती — आज रै बाद म्हारी कानी सू आपनै कोई सिकायत को आवैनीं।

माधुरी — हाँ बाबूसा, म्हे राजस्थानी औरता हुय'र फिल्मी औरता बणगी।

बरफी — नई-नई बाबूसा, दहेज रै लोभिया री आई दशा हुवणी चाईजै।

(दोनू जण्या आप-आप रै खसमा रै पगा में पडै)

घेवर — आज तो इया लाग रियो है वाबूसा जाणै म्हे लोग पवार सा'ब रै नाटक में रोल कर रिया हाँ

(सगळा जणा हँसै अर अेक-दूजै रै गळै लागै अर मच माथै अधारो)

गीगलो

(दिनूगै रो बगत। चिड़कल्या री चिक–चिक। घर माय सू भजन सुणीजै। धुरी बारणो बाजै। झूमरमल चोरड़ियै रो छोरो उदीराम थोड़ै ढीलै माथै रो हुवे। घर म पथरण माथे सूतो पड्यो छींकया लेवै अर पड्यो–पड्यो ई बोलै)

उदीराम कुण हे रे ?

(बारै सू आवाज आवै)

मगतो ओ बाईसा !

उदीराम अरे ! कुण है बाईसा रा भाईसा ?

(बारणो बजावै)

मगतो ओ बाबूसा !

उदीराम मरै थारा भुवासा।

मगतो ओ माई !

उदीराम खावै तनै साईं *(बारणो बाजै उदीराम उठ र बारणो खोलै अर भिखमगै नै सामनै खड़यो देख'र)*

ओ हो मगतरामजी थे ? आवो–आवो माय पधारो बारै क्यू खड़या हो ? आ जावो आ जावो डरो ना म्हैं घर में अेकलो हू।

(मगतो डरतो–डरतो माय आवै)

हुकम करो काईं सेवा करू ?

मगतो कोई ठडी–बासी रोटी हुवै तो दो बाबूसा।

उदीराम देखो मगतरामजी ! म्हे जात रा जैनी हा। ठडी–बासी रोटी

राखा कोनी।

मगतो तो गरम रोटी दे दो बाबूसा। दो दिना रो भूखो हू।

उदीराम अरे ! भूगळनाथ। इत्ती वेगी गरम रोटी थारै खातर थारै बाप वणाई है ? म्हैं तो हालताई दातण–कुरळा ई नीं करिया।

मगतो तो कोई आटो–बीजो घाल दो बाबूसा।

उदीराम आटो पीसणो देवोडो है तीन दिन हुयग्या।

मगतो तीन दिन ? दिनूगै–दिनूगै क्यू कूड बोलै भाया ?

उदीराम तो कूड रात रा बोलीजै ?

मगतो इत्ती ऊची हवेली अर घर मे दो चिमटी आटो कोनी ?

उदीराम तो हवेली नै थारै खातर आटै सू भर र राखू ? जावा जणै ई चक्कीआळो बोल दै– लाइट कोनी।

मगतो चोखो भाईडा। तिस लाग री है। थोडो पाणीडो तो पा बाळ।

उदीराम अरे ! गैलसफी घोन जद लाइट ई कोनी तो पाणी कठे सू आसी ?

(पग दिखा र)

मगतो कोई टूटी–फूटी चम्पल हुवै तो दे बाबू। तावडै फिरता रा पगडा बळै।

उदीराम देखो मगतरामजी। चम्पल टूटै अर म्हारो बाप मिदर जावै अर नुवीं देख र चम्पला बदळ लावै।

(कुडतो दिखा र)

मगतो भाईडा कोई फाटयो–पुराणो कुडतियो है तो दै बाळ सिया मरतै रा दातडा बाजै।

उदीराम अबै बाजो या ना बाजो कुडतियो फाटै अर म्हारो बाप कुडतियो होळी खेलण खातर सावट र राख देवै।

मगतो तो भाईडा कईं तो दै बाळ। दिनूगै–दिनूगै नकारो तो मत दै।

उदीराम म्हैं कैयो नी अबार तो कीं कोनी घर मे। *(उबासी खाय र)* म्हनै उबासी आवै दो–चार तू ई खायलै।

(मगतो उठतो बोलै)

मगतो भगवान जाणे आज कैरो मूढो देख'र घर सू निकळ्यो हो ?

उदीराम म्हैं बताऊ काच देख र निकळ्यो हुसी।

मगतो वा भाया भगवान थारो भलो करै।

उदीराम देखरे थारै कैया भगवान भलो करतो हुवै नी तो तू पेला थारो भलो करालै।

(हाथ जोड र)

मगतो बुरो नीं मानै तो अेक बात केऊ भाया ?

उदीराम अेक बात ई कहे दो कैदी तो ओ हाथ माय सू कटोरो खोस लू ला।

(मगतो हसण लाग जावे– सागै–सागै उदीराम भी हसै)

मगतो तू क्यू हस्यो भाया ?

उदीराम पैला तू बता ? तू क्यू हस्यो ?

मगतो हसू नीं तो म्हारै बाप नै रोऊ ? ठण्डी–बासी रोटी कोनी। पीवण नै घर मे पाणी कोनी दो चिमटी आटो कोनी टूटी–फूटी चम्पल कोनी फाटयो–पुराणो कुडतियो कोनी। तो घर मे अेकलो पडयो काई करै है भाया ? आ जा दोनू सागै ई मागण नै चाला।

(पथरणै माथै आडो हुवतो बोलै)

उदीराम अबार तो म्हारै काम है। फेरू कदैई चालसा।

मगतो अमर हुजा भाया।

(उठतो बोलै)

उदीराम म्हैं तो अमर हुजासू तू अमर बकरो हुजा।

(मगतो बारै निकळै अर उदीराम पाछो सूजावै दो–तीन बार बारणो फेरू बाजै। उदीराम सूतो–सूतो जोर सू बोलै)

बाप ओ बाप बाप रे

(माय सू झूमरमल आवै अर उदीराम नै मारतो बोलै)

झूमर हरामखोर। इक्कीस तारीख नै इक्कीस बरसा रो हुजासी अर ढग सू बोलणो नीं आवै।

(उदीराम जोर सू रोवे अर घर माय सू झूमरमल री लुगाई री आवाज)

अरे दिनूगै–दिनूगै मुरगै दाईं कुण बाग मार रैयो है ?

(झूमरमल उदीराम रा झींटा झाल'र)

झूमर फेरू कदैई बाप बोल्यो तो हरामखोर री टाग्या तोड देवूला।

(शरबती कमरै मे आवै अर उदीराम रै आडी फिरती बोलै)

शरबती काईं है जी ? क्यू मार रैया हो म्हारै छोरै नै ?

झूमर समझा दै अै गधेडै नै।

शरबती ओ गधो आपरै बाप माथै गयो है। देखलो बो ई नाक बो ई नकसो।

झूमर तू घणी लाड में मत आ शरबती अर पाल लिए थारै कुणकायै नै नीं तो मार–मार'र म्हैं अैरो भुरतो बणा देऊला।

शरबती क्यू ? काईं जुलम कर दियो उदियै ?

झूमर इत्तो बडो साड हुयग्यो अर बोलबा री सुध कोनी।

शरबती अबै ऊठ है या साड। मिनख जिकी चीज बोवै बा ई तो काटै।

झूमर देख शरबती तन्नै हजार बार कैदियो कै तू अैरी झूठी पैरवी मत करिया कर ?

शरबती अेरी पैरवी म्हैं नीं करसू तो पैरवी करण नै प लक्ष्मीनारायणजी

नै लार खडा करसू ?

(उदीराम बीच मे बोलै)

उदीराम अगर पडितजी आर खडया हुयग्या तो बाप री रडक काढ नाखसी।

(उदीराम नै मारता थका)

झूमर कढाऊ थारी रडक *(गळो झाल'र)* चाल माइनै।

(शरबती पाछो खींचती बोलै)

शरबती को जावैनीं अठीनै आ बेटा। साची–साची बता क्यू मारै हा तन्नै ?

उदीराम कोई आदमी आपणो शीशम रो बारणो भाग रैयो हो। म्हैं बैनै पूछयो तन्नै म्हारी मा सू मिलणो है या म्हारै बाप सू ?

झूमर फेरू तू म्हनै बाप बोल्यो (झींटा झाल'र) आइन्दा बोलसी बाप ?

(बीच मे पडती बोलै)

शरबती थे अैरा बाप कोनी काई ?

झूमर बाप हू, धोयो नीं धुपू, पण जणै देखो हरामखोर बाप–बाप बोलतो रैवै।

शरबती तो काई बोलै थानै ? दादोजी या नानोजी काकोजी या बाबोजी ? काई बोलणो है ?

झूमर बाबूसा बाबूजी जीसा पापा पापाजी डैडी और की नीं तो खाली बापू ई बोल दै।

शरबती पण बापूजीआळा गुण कठै है थामे ? बानै तो सगळो देस ई बापू बोलतो हो।

झूमर हरामखोर इत्तो बडो टोगडो हुयग्यो अर जणै देखो बाप बाप..बाप..

शरबती अणपढ आदमी तो इया ई बोलसी। पापा या डैडी बोलावणो हो तो पढायो क्यू कोनी अैनै ? जणै तो हाथ में पाटी देखी कै बकणो सुरू कर देवता कै अैनै स्कूल भेज दियो तो

टाग्या तोड देवूला। म्हैं म्हारी छोरी नै ई किया पढाई है म्हारो जी जाणै।

झूमर म्हैं कैऊ पडयो काईं है पढाई में ? देस रै माय लाखू पढ्या—लिख्या लोग नौकरी नै रोवता फिरै अर अणपढ आदमी सिझ्या नै सौ रुपिया लेय'र घर मे बडै।

(ऊदीराम बीच मे बोलै)

उदीराम तो तू क्यू पढियो बाप ?

(उदीराम नै मारता थका)

झूमर तूकारो देवै बाप नै तूकारो देवै तूकारो देवै

(बीच मे पडती बोलै)

शरबती म्हारी समझ मे आ नीं आ री है कै बाप बोलण मे थानै सरम क्यू आवै है ? ओ तो सुकर करो कै म्हैं थानै खसम नीं बोलू।

झूमर हा—हा बेटो बाप बोलै। तू खसम बोल्या कर। ओ खसम सुण खसम इन्नै आ खसम बिन्नै जा खसम सब्जी ला खसम

शरबती तो एजी सुणो जी कैवणो चोखो लागै थानै ? म्हारै पीअर मे एजी काणै आदमी नै बोलै।

झूमर हा—हा तू म्हनै काणियो ई बोल्या कर— तन्नै सौगन है थारै खसम री अगर म्हनै काणियो नीं बोल्यो।

(उदीराम बीच मे बोलै)

उदीराम काणिया—काणिया बोल थारी मा बजावै ढोल ढोल मे टक्को थारी मा रो माटी पक्को।

(उदीराम नै मारतो बोलै)

झूमर अरे ! ओ काणियै रा बाप। माय बळ अर म्हारो लाल कुडतो अर पीळो पजामो लेर आ।

उदीराम लाल कुडतै अर पीळै पजामै रै सागै मूगै रग री पागडी ई

ला दू ?

झूमर थारो बाप तो जीवै है ? मूगै रग री पागडी कैरै लारै बाधू।

उदीराम लाल कुडतै अर पीळै पजामै में थे ऊपर सू टमाटर अर नीचे सू नींबू दाई दीखसो।

झूमर अरे ! ओ टमाटर रा बीज

(उदीराम माय भाग जावै शरबती बीच मे बोलै)

शरबती दिनूगै-दिनूगै लाल-पीळा हू र कैर्नै रिझावण नै पधार रिया हो ?

(बिगड र)

झूमर थारी मा-राड नै ?

शरबती हा-हा बेगा जावो बा ऊपर बैठी कदरी उडीक री है थानै पण याद राख्या मरग्या तो म्हारै पीअर सू कुत्तो ई नीं आवैला बैठबा नै।

झूमर काई बोली ? दूसर बोल तो ?

शरबती क्यू ? काना रा पडदा अबार सू ई फाटग्या ?

झूमर म्हारै काना रा पडदा तो तन्नै अै घर मे लेर आयो जणै ई फाटग्या।

शरबती तो हमैं किसा मिया मरग्या कै रोजा घटग्या ? कोई चोखी देख र म्हारै सौत ले आवो बा पाछा सीड देसी।

झूमर तू म्हनै दूजी लावण खातर ताना मारै पण आ ना भूलै कै सौत तो माटी री ई बुरी हुवै।

शरबती हुवै तो हुवण दो। आ तो म्हैं बै मा-बाप री हू जिको थारा धमीडा सैऊ। दूसरी कोई हुवती तो कदैई जावती टाचरै मे दे र।

झूमर अेकै कानी रो'र जतावै अर दूजी कानी म्हनै दूजी लावण नै उकसावै।

शरबती हा हा म्हैं झूठ थोडी बोलू। थे लेर तो आओ राडी-रडुवा

नै ऊभा बाळ दू, लापो लगा दू सूता रै।

झूमर लापो लगा थारै घणा मानीजै जिका रै। म्हारै लापो लगावण नै तू अेक जण्यो है बो ई भोत है।

शरबती थानै सरम नीं आवै ? जणै देखो छोरै नै मारता रैवो। ओ मरग्यो ता थारै लापो लगासी कुण ?

झूमर इसी दया आवै तो इसो कुमाणस जिण्यो क्यू हो ?

शरबती म्है जिण्यो ? जिसा रूख बिसा छोडा।

(शरबती माय जावै अर उदीराम धोती–कुडतो लेय र आवै)

झूमर अरे गैलसफा। तनै पीळो पजामो लावण रो कैयो हो। ओ धोतियो लेय र क्यू बळयो है ?

उदीराम पजामै में नाडो कोनी हो।

झूमर तो नाडे नै कुण गिटग्यो ?

उदीराम पजामै रो नाडो काढ र मा गऊ री बोरी रो मूढो बाध दियो।

झूमर तो दूजी डोर्‌या वळगी ही बोरी रो मूढो बाध दियो।

(शरबती पाछी बारै आ र)

शरबती बताओ तो सरी लाल–पीळा हुय र पधारो कठै हो ?

झूमर तू भोळी ना बण । तनै बेरो कोनी ? आसाम सू अेक आसामी थारै उदियै नै देखण नै आ री है।

शरबती अरे ! थारो हींयो क्यू फूटग्यो है ? थे उदियै रो ब्याव माड रिया हो ?

झूमर तो जिदगीभर कुवारो राखणो है अै साड नै ?

शरबती नीं तो म्हारो बाप देसी छोरी अै नै ?

झूमर अरे टाबर आदमी री साख नै मिलै।

शरबती हा–हा म्हैं जाणू थारी साख कित्तीक है। मरग्या मरोड में...

चाल रे बेटा । मिन्दर चाल र आवा। राजा करण री बगत सगळो माथो खायग्या।

(उदीराम बारै जावतो–जावतो बोलै)

उदीराम काणिया–काणिया बोल थारी मा बजावै ढोल

(झूमरमल लारै भाजै)

झूमर अरे। तू बळजा अठै सू, नीं तो थारो ढोल बजा देवूला

(उदियो बारै खानी भाज जावै अर बारै खानी सू इचियो दो–तीन चिटिठया लेय'र आवै)

अरे ओ कामचोर । तू आज हमैं बळियो है ? नौकरी सू धापग्यो तो इया बोल।

इचियो नौकरी सू तो नीं धाप्यो सेठा पण थारी अै रोज–रोज री किच–किच सू धापग्यो।

झूमर तो थारो हिसाब–किताब कर दू ?

इचियो अबै घणी फड–फड तो करो ना सेठा। थे म्हासू धापग्या तो भूखो म्हैं ई कोनी।

झूमर काई बोल्यो रै लिगतडा ? दूसर बोल तो ।

इचियो अरे । सेठा म्हारा सगळा बडेरा अै हवेली मे काम करता–करता गुडकग्या तो म्ह्नै ढोई कठै है ? नीं तो दूसर तो काई अबार ताई तीसर बोल जावतो।

झूमर तीसर बोल जावतो माय बळ अर थोडो तेल लेयर आ अर सिर में खाज कर ।

(इचियो मालिस करतो–करतो बोलै)

इचियो सेठा लोगडा कैवै पग मे खाज आवै तो जात्रा करणी पडै हाथ मे खाज आवै तो पईसडा हाथ लागै अर सिर में खाज आवै तो जूत पडै। अै बात में कई तन्त लाग्यो थानै ?

(धक्को मार'र)

झूमर अरे ! ओ छगनियै रा निध। तू म्हारो नाव जाणै है नी ?

इचियो नाव तो काई सेठा थारी सात पीढी नै जाणू। आज दस मिनट मौडो होयग्यो जिकै में थे कपडा सू बारै हुय रैया हो ! कदैई टेम सू तनखा देवोडी याद आवै है थानै ?

झूमर हाथ चालू राख।

इचियो सेठा थारै दादै जतनमलजी रा सै र रै माय पत्थर तिरिया करता पण थे इत्ता कजूस कैरै माथै हो ?

(बिगड र)

झूमर थारै बाप छगनियै माथै !

इचियो सही बात है सेठा। म्हारो बाप ई कजूसा मायलो कजूस हो।

(धक्को मारता)

झूमर ओ काणकी रा काई कैयो तू ?

इचियो म्हारो मतलब थारै घर मे ना मोटर है अर ना साइकिल ना टीवी है ना ट्राजिस्टर ना कूलर है ना फ्रीज ना बैठण नै सोफो है ना पलग ना नौकर है ना चाकर।

झूमर तो तू म्हारो बाप है ?

इचियो अै पथरणै नै होळी दीयाळी झडकाऊ म्हारा बूकिया रैय जावै। अैमे रुई तो थोडी अर धूडो घणो अवै

झूमर बोल–बोल चुप क्यू हुयग्यो ?

इचियो अबै सेठियाजी नै देख लो। नगर परिषद वाळा चार चार ट्रेक्टर खडिया है घर में।

झूमर चाटू कई टरका नै ? कैसूई दुसमणी काढणी हुवै तो वैनै ट्रक दिरा दो या वैनै चुनाव मे खड्यो करदो।

इचियो अै सब कैवण री बाता है सेठा चुनाव सू पैला ओ किसनियो काई हो ? अेक छोटो–सो चुनाव जीत्यो अर भाई रो ब्याव माड दियो। बीस हजार कार्ड छपार

कुत्ता–विल्ला नै वाट दिया अर लाखू रुपिया वान भेळी करली।

झूमर अबै काईं हाल है वैरा पतो है ?

इचियो अबै तो कुण कुतडी पूछै है सेठा ? इया ई रोवतो फिरै है इनै–विनै।

झूमर फेर ?

इचियो सेठा म्हारी राय मानो अर अवकी वार थे ई चुनाव मे खडया हुजावो।

झूमर देख रे ! थारै कैया ना तो म्हैं चुनाव लडू अर ना ट्रक लाऊ। चुनाव मे खड्यो होऊ अर जिका रा मूढा देखणा नीं चाऊ वानै हाथ जोडतो फिरू ?

इचियो सेठा थे समझो कोनी भोळा हो। खाली एक महीणो लोगा री हाथाजोडी करलो। ईद आवै तो मसीत आगै जार ऊभा हुयजावो अर होळी दीयाळी राम–राम–सा पगै लागू–सा बस ! थारा बोट पक्का। बींरै पछै चार साल अर इग्यारा महीणा थे आगै अर जनता लारै अर भाग सू गाडी आगै झण्डी लाग जावै तो पोवारा पच्चीस।

झूमर आ वात तो तू सातरी करी। अबै तू चूप रै अर म्हारी अेक बात ध्यान सू सुण।

इचियो हुकम करो नी–सेठा !

झूमर मारुति कार रगीन टीवी कूलर फ्रीज वासिग मशीन मिक्सी थिकसी वगैरा आपा बजार सू मोल लेर आवा तो कित्ता पइसा लागै ?

इचियो अरे सेठा म्हनै इत्तो हिसाब आवतो तो आज म्हारी जाग्या थे म्हारै मालिस करता लाधता।

झूमर काईं बोल्यो रे फीटिया ?

इचियो तो सेठा म्हनै कईं ठा कै आ चीजा रा कित्ता पइसा लागै ?

झूमर तो गिण।

इचियो गिणाओ।

झूमर मारुति रा साढा चार लाख रिपिया रगीन टीवी रा बीस हजार कूलर–फ्रीज रा पन्द्रह हजार वासिग मशीन रा बाईस हजार सोफासेट रा पच्चीस हजार डाइनिग टेवल रा बारै हजार। कित्ता हुया ?

इचियो वित्ता लाख अर बित्ता हजार।

झूमर पॉच लाख अर चमाळीस हजार रुपिया।

इचियो इत्ता तो म्हासू हेला ई नीं मारीजै सेठा।

झूमर तो सुण अे सगळी चीजा आपानै कोई फोकट में दे दै तो ?

इचियो फोकट मे ? इसो दानी कुण है सेठा ? म्हनै ई नाव बताओ। म्हैं अबार ई जार लैण मे लाग जावू।

झूमर अेक–आध हुवै तो बताऊ। सैर मे तो होड लागरी है। सादी ब्याव मे लोगडा हीरो होन्डा देवै तो कोई मारुति। कोई दाळ रो सीरो बणावै तो कोई गूदपाक कोई काजू–कतली तो कोई बिदाम–कतली।

इचियो म्हैं समझ्यो कोनी सेठा।

झूमर फूटग्या थारै कानी सू। लोग कैवै नर मे नाई अर खग मे कागलो भौत हुस्यार हुवै।

इचियो अे सब कैवण री बाता है सेठा। बापडै नाइडै नै म्हारो बाप पूछै है। गरज हुवै जितै खवासजी अर गरज मिटी अर नाइडो।

खैर छोडो सेठा। म्हनै एक बात बताओ। थे उदीबावू नै साची ई परणा रिया हो ?

झूमर क्यू उदीराम मरद कोनी ?

इचियो मरद तो म्हारै सू ई तगडा है सेठा पण सरकार कानून बणा राख्यो है कै छोरो इक्कीस रो अर छोरी अठारा री

हुवणी जरूरी है।

झूमर कुण कुतडी पूछै सरकार नै ? तू अठारा–इक्कीस री बात करै। आपणै देस मे लोगडा छोटै–छोटै टाबरिया नै गोद्या मे ले र फेरा खायलै।

इचियो इया लुक–छुप'र फेरा खायलै तो बापडी सरकार काई करै ?

झूमर सरकार काईं करै ? अरे गैलीटड सरकार चावै तो सब–कुछ कर सके। दो–चार जोडा नै झाल र माय ठोक दै तो लोगडा अै ब्याव–ध्याव औसर–मौसर अर देज–दायजा सगळा भूल जावै पण भाया आ वोटा री राजनीति है। नेता सोचै फूटया जनता रा आपा जनता सू खारा तूम्बा क्यू बाधा ?

इचियो आ बात तो था लाख रुपिया री कैयदी सेठा। अै मामलै मे तो सरकार नै करडै सू करडो कदम उठावणो चाईजै अर इया जनता नराज हुवै तो बीस बार हुवो। पण सेठा उदीबाबू नै छोरी देसी कुण ?

(शरबती माय आय र)

शरबती साची कैय रियो है इचियो। इत्ती कैरै घर मे भूख है जिको आपरी छोरी उदियै नै देसी ?

झूमर उदियो करोडपति बाप रो बेटो है गगलै तेली रो कोनी अर आजकल छोरा–छोरी देखै कुण है। लोगडा आसामिया देखै पइसो देखै टक्का देखै।

शरबती धूड है इसी आसामिया मे फेरू थानै करोडपति मानै कुण है ? थारो मानखो सगळो सै र जाणै।

झूमर तू थारी खाल मे रैय र बात करिया कर तू म्हारी लुगाई हुय र म्हारो मानखो बखाणै।

(इचियो शरबती रो समान लेय र माय जावै)

शरबती आज दिनूगै उठती ई काईं ठा कैरो थोबडो देख्यो हो ?

झूमर क्यू कईं हुयग्यो थारै थोबडै रै ? म्हनै तो तू भौत फूठरी लाग री है हेला मारनी दाई।

शरबती थे उदियै नै साची ई परणा रैया हो ?

झूमर क्यू ? गैला–गूगा परणीजै कोनी ? कुवारा रैवै ?

शरबती इया तो भाग फूटोडै नै करम फूटोडो मिलै ई है पण थे जाणता थका क्यू केइ गरीब छोरी री जिन्दगी खराब करण लाग रैया हो ?

झूमर आ पार्टी गरीब कोनी करोडपति आसामी है। अेक बात बता ! उदियो गैलो है ?

शरबती वो थानै–मनै गैला कर दे।

झूमर उदियो काणो–खोडो है ?

शरबती काणा–खोडा तो घणा कुचमादी हुवै।

झूमर तो उदियो आधो है ?

शरबती बैनै तीन तिलोकी रो दीखै पण उदियो लुगाई लाय र करसी काईं ?

झूमर अचार घालसी। क्यू ? काईं कमी है उदियै मे ?

शरबती कमी उदियै मे कोनी थामे हे। जे उदियो परणीजग्यो तो दुनिया मे कोई आदमी कुवारो नीं रैवणो चाईजै।

झूमर तू बींरी मा हुय'र खुद रै छोरै रै आडी लगावै है ? बो गूगसाड थारै तो घणो मनीजै है ?

शरबती मनीजण सू काईं हुयो पण जीवती माखी कै सू गिटीजै ?

झूमर जीवती माखी नीं गिटीजै तो माखी नै मार'र गिटलै। नीं तो लोग कैसी कोनी कै करोडपति बाप रो बेटो अमर बकरो बणियो फिरै ?

शरबती कोई नीं कैवै। सगळो सै'र जाणै है थानै अर उदियै नै।

झूमर जा–जा तू माय जा। खडी–खडी थकगी हुसी।

शरबती म्हनै तो माय ई जावणो है कैरै दो माथा है जिको था सू खपत करै।

(झूमरमल बारै जावण लागै)

कठै उखडो हो ?

झूमर थोडो मगतमलजी कन्नै जाय र आऊ।

शरबती दिनूगे–दिनूगै बो आर र बळयो हो पैला रोटी गिटलो। पछै भळै लाबडा ई जाया।

झूमर क्यू ? भूखा मरती रा प्राण निकळै है थारा ?

शरबती पैला प्राण निकळसी थारा म्हें तो इया ई मूग दळसू अर मलिया देय र खासू।

झूमर म्हैं मूग लेय र आऊ बैठी दळती रेये।

(झूमरमल बारै निकळ जावै अर इचियो माय आय र)

इचियो सेठजी किन्नै गया सेठाणीजी ?

शरबती भाड मे क्यू, तन्नै ई जावणो हे ?

इचियो म्हनै अबार फुरसत कठै है सैठाणीजी। सेठजी नै ई जावण दो। म्हारै हाल घणोई काम पडियो है।

(शरबती माय जावै अर बारै कानी सू उदीराम पग रै पाटी बाध र आवै)

अरे उदी बाबू, इत्ती देर सू कठै सू आया हो अर थारै पग रै काईं हुयो ?

उदीराम भीड मे अेक जणो म्हारो पग किचरग्यो। म्हें नानाणै जाय र पाटी बधार आयो हू।

इचियो नानाणै ? नानाणै मे कोई अस्पताळ खुल्योडी है उदीबाबू ?

उदीराम म्हारै नानाणै मे अेक नर्स भाडै रैवै बा म्हारै पाटी बाध र बोली आई लव यू।

इचियो ओ हो पण पाछा थे काईं बोल्या ?

उदीराम म्है तो हस'र बारै निकळग्यो। मनै सरम आयगी।

इचियो थे गैला हो। थानै पाछो बोलणो चाईजतो।

उदीराम काई ?

इचियो थाने बोलणो हो सेम टू यू ।

उदीराम आ हाथ मे चिटठी कै री है इचिया ?

इचियो म्हारो छोटोडो भाई मरग्यो। अबार–अबार चिट्ठी आई है।

उदीराम कित्ता बरसा रो हो थारो भाई ?

इचियो तीन बरसा रो।

उदीराम तीन बरसा रो ? थारो बाप कद मरियो इचिया ?

इचियो बाप मरिया नै तो दस बरस हुयग्या।

उदीराम थे कित्ता भाई हो इचिया ?

इचियो म्हारै समेत पाच भाई हा पण चार मरग्या।

उदीराम पाच मे चार मरग्या ! चारू भाई बीमार हा ?

इचियो नहीं तो चारू नै पीळियो हुयग्यो।

उदीराम पीळियो ? जणै ई म्हारो बाप डरतो पीळो धोतियो पेरै।

इचियो अेक बात म्हारी समझ मे नीं आवै उदीबाबू। दारू म्हारो बाप पीवतो अर पीळियो म्हारै भाया नै कुकर हुयग्यो ?

उदीराम म्हैं बताऊ ?

इचियो बताओ नी उदीबाबू। म्हैं भौत दुखी हूँ।

उदीराम ध्यान सू सुण।

इचियो सुणाओ।

उदीराम अेक डोकरी रै दो छोरा हा। डोकरी रो बडोडो छोरो चौबीस घण्टा हडमानजी रै मिन्दर में बैठो पूजा–पाठ में लागाडो ई रैवतो अर डोकरी रो छोटोडो छोरो रोज मिन्दर जावै अर हडमानजी री मूरती रै अेक लठ मार'र आय जावै। इया करता कई महीना बीतग्या। अेक दिन हडमानजी

लगडावता–लगडावता डोकरी कन्नै आया अर बोल्या अे डोकर ! तू थारै छोटोडै छोरै नै पाल लिये नीं तो म्हैं थारै बडोडै छोरै रो घाटो मोस नाखूला।

इचियो — कमाल है। छोटोडो छोरो लठ मारै अर बडोडै छोरै रा घाटो मोस नाखूला। आ कोई बात हुई ?

उदीराम — अे दुनिया मे सगळा काम ऊधा ई ऊधा हुवे। अबै देख दारू थारो बाप पीवतो अर पीळियो थारै भाया नै हुयग्यो।

(बार कानी सू झूमरमल आवै अर लाड करतो बोलै)

झूमर — अरे ! उदी बेटा किन्नै गयो हो तू ?

उदीराम — आज तू इत्तो मीठो कूकर बोले है बाप ? चुन्नीलालजी री दुकान सू कुल्लडआळो शर्बत पीय र आयो है ?

झूमर — अेक बात सुण बेटा !

उदीराम — एक क्यू, दो पुरस नी बाप !

झूमर — देख बेटा आज तू थाडो सऊर सू रीये।

उदीराम — क्यू ? आज काळिया गोधा फेर लडसी ?

झूमर — आ बात कोनी बेटा। आज आसाम सू अेक आसामी तन्नै देखण खातर आ री है। बा पार्टी तन्नै बैठण नै मारुती देसी।

उदीराम — म्हैं चुनाव मे खडयो कद हुयो जिको म्हने बैठासी ?

(इचियो उदीराम रै कान मे बात कैवे उदीराम हसे।)

झूमर — उदी बेटा काईं कैवे ओ बेईमान ?

उदीराम — इचियो केय म्हार लुगाइ लावण री त्यारया चाल री है।

झूमर — साची बात है बेटा। बा आसामी तन्नै पसद कर दायजे मे मारुती कार देसी। अ खातर बा आसामी तन्न काई पूछाताछी करै तो तू खाली हा–ना मे ई जवाब दिये, घणो बोले ना। समझग्यो ?

उदीराम — तू आज इत्तो मीठो बोल्यो जणे ई म्हैं समझग्यो हो बाप।

इचियो म्हैं ई समझग्यो सेठा।

झूमर समझग्यो तो अै ऊठ नै ई चौखी तरै समझा–बुझार त्यार कर अर ओ कामडो पार पडग्यो तो म्हैं तन्नै सोनै री वींटी अर थारी लुगाई रै चादी री पायल घालसू।

(बीच मे बोलै)

उदीराम म्हारै कीं घालसी बाप ?

(बिगड'र)

झूमर थारै घालसू गळपटियो गेळसफा।

इचियो आप पधारो नी सेठा। अबै ओ काम थारो कोनी म्हारो है।

झूमर चोखी बात है। तू उदियै नै त्यार कर। म्हैं थोडो दुकान ताईं जाय र आऊ।

(झूमरमल बारै निकळै अर शरबती आवै)

उदीराम मा ! बाप कैवै आज म्हनै निरखण नै आसाम सू अेक आसामी आय री है। बा आसामी म्हनै बैठण नै लाल रग री मारुती अर सवा लाख रो टीको देसी।

शरबती थारै बाप रो तो माथो खराब हुयग्यो बेटा। बानै तो चोबीसू घन्टा पइसो ई पइसो दीखै।

(इचियो बीच मे बोलै)

इचियो सेठजी इत्तै पइसै रो काईं करसी सेठाणीजी ?

शरबती मरता सागै लेजासी अर म्हासू पैला मरग्या तो म्हैं सगळो पइसो बारै सागै घाल देसू।

(बीच मे बोलै)

उदीराम मा अगर तू पैला मरगी तो ?

शरबती चोखो बेटा अै रोज–रोज रै छातीकूटै सू तो पींडो छूटसी।

उदीराम नीं–नीं मा ! आपा दौनू सागै ई मरसा अर आगोतर मे फेरू मा–बेटा बणसा।

(झूमरमल भागतो–सो आवै)

झूमर — अरे ! इचिया जल्दी कर। सुणी है बा आसामआळी आसामी अठै पूगगी।

इचियो — इत्ती बेगी पूगगी ? सेठा बजार सू, खावण–पीवण नै काई लावणो है ?

झूमर — अरे ! तू उदियै नैं लेय र माय बळ डाकी कठैई रा। दिनभर थारो खावण नै मूढो बळतो रैवै।

(इचियो उदीराम नै लेय र माय कानी जावै)

शरबती — म्हैं कैऊ हू कै थे अबै ई मान जाओ। क्यू, कोई छारी री जिन्दगी खराब करण लाग रैया हो ?

झूमर — देख शरबती तू अबै गैली बात्या ना कर। बा आसामी लाल रग री मारुती सागै लेय र आई है।

शरबती — ऊधा धन्धा थे कर रैया हो अर काळजो म्हारो धग–धग करण लाग रैयो है।

झूमर — जा–जा तू माय जा अर बेगो–सी उदिये ने त्यार कर।

शरबती — हे सावरिया आरो जीव कूकर निकळसी ?

झूमर — बो तनै लाल रग री मारुती मे बैठसी जणै पतो लागसी।

शरबती — लापो लागै थारी मारुती रै।

(शरबती माय खानी जावै झूमरमल जोर सू हेलो मारै)

झूमर — इचिया आ इचिया !

(बारै आय र)

इचिया — हा सेठा। बोलो नास्तै खातर काईं लाऊ ?

झूमर — हा री मा–राड ! जल्दी सू पथरणै रा सळ काढ।

(दोनू जणा पथरणो ठीक करे अर झूमरमल पथरणै माथे बही लेय'र देखण लाग जावै अर इचियो माय खानी जावै अर बारै खानी सू चार जणा आवै)

लूणकरण जय रामजी री सेठा ।

झूमर जय रामजी री।

(झूमरमल बारै सामै देखै)

लूणकरण म्हैं लूणकरण लूणियो। आसाम सू आयो हू।

झूमर अरे । पधारो–पधारो सेठा पधारो। कागद मे तो आप काले पूगण रो लिख्यो हो ?

लूणकरण बो इया हो सेठा। हवाई जाझ रा टिगट बणग्या ऊै खातर रात दिल्ली पूगग्या अर अबार अठै।

झूमर बढिया करियो। आप लोग विराजो नी खडया क्यू हो ?

(सगळा जणा बैठै)

अे आपरै सागै ? म्हारो मतलब आप रो बिराजणो ?

लूणकरण अे जेठमलजी भुगडी। म्हारा सागी साळा।

झूमर राम–राम–सा जेठमलजी खूब दरसण दिया।

जेठमल दरसण भगवान रा।

लूणकरण अे गुलाबचदजी गुलगुलिया म्हारा फूफी–सुसरा।

झूमर म्हैं झूमरमल चोरडियो। म्हारै आढत री दुकाना है।

(इचियो पाणी लेय र आवै)

इचियो लो सा जळ अरोगो।

झूमर ओ इचियो। म्हारो सेवादार। पीढिया सू म्हारै अठै ई रैवै।

लूणकरण किसो गाव भाया ?

इचियो कतरियासर कपूरीसर सू आथूणो पडै।

(बीच मे बोलै)

झूमर हा सेठा भन्साळीजी सागै नीं आया ? काईं हाल–चाल है बारा ?

लूणकरण हाल अर चाल दोनू ई ठीक है पण सुगर री बीमारी रै कारण आवणो–जावणो कम ई करै।

झूमर — भौत पाजी बीमारी है सेठा। ना तो आदमी मीठो खा सकै अर ना चरको। डाक्टर अगरवाल कैवै अै बीमारी मे खाओ कम अर पीवो घणो।

(इचियो आवै)

इचियो — अै बात माथै ठडो–ठडो जळ पीवो सेठा।

(इचियो गिलास मे पाणी घालै)

लूणकरण — ड्राइवर साहब गाडी माय सू सगळो सामान काढ लाओ।

रामू — अबार लाऊ सेठा।

(ड्राइवर उठ'र बारै जावै)

झूमर — अरे आप आराम सू बिराजो नी दौरा क्यू बैठा हो ?

(ड्राइवर बारै सू गतै रा कार्टून लाय र राखै)

अरे सेठा इत्तो–सारो काईं अडगो लेय र पधारिया हो ?

लूणकरण — घणो कईं कोनी सेठा थोडा–सा फळ–वळ है।

झूमर — इचिया जल्दी सू नास्तो–वास्तो लेर आ ।

इचियो — सेठा नास्तो लावण खातर पूछयो जणै तो था

(बीच मे बोलै)

लूणकरण — देखो सेठा ओ सकोच ना करो–म्हे लोग होटल मे न्हा– धोय र नास्तो–पाणी कर र आया हा।

झूमर — आ कोजी बात सेठा। म्हारी इत्ती बडी हवेली अर था होटल रा पइसा भाग्या ?

लूणकरण — कईं फरक पडे है सेठा ! अेक ई बात है। आप तो आ बताओ कै आप रै टाबर–टोळी कित्ता है ?

झूमरमल — टाबर–टोळी क्यारा है सेठा। टाबरा रा मजा तो मींया भाई लेवै। म्हारै तो आगै–लारै एक तूतडो है। आप बताओ आप रै टाबरिया कित्ता है ?

लूणरकण — इया तो चार–चार छोरा हुया पण जीया कोनी। आख्या

आगै अेक कुणकी री है।

झूमर कुणकी ? आ कुणकी कुण है सेठा ?

लूणकरण म्हारी छोरी रो नाव है। छोटी थकी नै सीतळा माता निकळी अर अेक आख सीतळा माता रै भेट चढगी।

झूमर छोटी थका सीतळा माता निकळी अर एक आख सीतळा माता रै भेट चढगी तो सेठा अेमे थारो कसूर कै म्हारो ?

लूणकरण इया टीपणे में तो कुणकी रा कई नाव पडया धापली धूडकी मोडकी बाधूडी मगली पण म्हनै कुणकी नाव सुवायो।

झूमर थू थृ नाव तो पाचू ई फूठरा पडया बाईसा रा।

(बीच मे बोलै)

जेठमल *इया नाव मे काईं राख्यो है सेठा। नाव तो खाली आदमी* री अेक पिछाण हुवै। अबै देखो सिर माथै केस कोनी अर नाव जटाधर। आख्यॉ सू आन्धो अर नाम नैणसुख।

(इचियो पाणी लेय र आवै अर बोलै)

इचियो खावण न रोटी कोनी अर नाम धनराज लो सा ठडो जळ अरोगो।

(इचियो गिलासा मे पाणी भरै)

लूणकरण अरे सेठा आपा नावा मे कठै अळूझग्या कई काम री बात करो। सिझा नै म्हानै पाछो बहीर हुवणो है।

झूमर अरे हा आ तो म्हैं भूल ई गयो। अेक बात बताओ सेठा बाईसा पढोडा–लिख्योडा कित्ता क है ?

लूणकरण कुणकी नै अेकर स्कूल भेजी अर बै दिन ई बा अेक टींगर लारै स्कूल सू भाजगी। अै खातर म्हैं स्कूल छुडा दी।

झूमर वढिया करियो। आजकाळ अै टीब्या अर फिलमा टाबरा नै बिगाड'र तीन कोडया रा कर नाख्या।

(बीच मे बोलै)

गुलाब वा सेठा कई लाखीणी बात केई है।

(बीच मे बोलै)

जेठमल आप तो आदमी म्हा सुणी जिकी सू ई बढिया निकळया।

झूमर तो म्हैं ओ रिस्तो पक्को समझू ?

लूणकरण म्हारै खानी सू सोळै आना पक्को।

झूमर बोलो कद आऊ बरात लेय र ?

लूणकरण आप रै जचै जणै– म्हैं सगळी त्यारी कर र आयो हू अर मारुती सागै लायो हू। बाकी म्हानै काईं देवणो लेवणो है ? आप हुकम कर दो।

झूमर अरे सेठा छोरीआळा नै तो उमरभर देवणो ई देवणो है।

(सगळा कूडी हसी हसै अर इचियो पाणी लेय'र आवै)

इचियो सेठा जळ अरोगो।

जेठमल अरे इचियारामजी ?

इचियो हुकम सेठा।

जेठमल घडी–घडा इत्तो ठडो–मीठो पाणी कठै सू लारियो हो ? घर मे कूवो है या बावडी ?

इचियो कूवो है ना बावडी आप नै देख र च्यार मटकिया और छाणली।

(सगळा हसै अर इचियो माय जावै)

लूणकरण हा हुकम करो सेठा म्हानै काईं सेवा करणी है ?

झूमर देखो लूणकरणजी। म्हारो घर अर आज रो जमानो देखता सौ भरी सोनो इग्यारे किलो चादी अर सवा लाख रो टीको तो थानै देवणो ई पडसी। बाकी आपा सगळा जणा जाणा कै आपरी छोरी नै नागी तो कुण काढै है।

(बीच मे बोलै)

जेठमल और जानी ओरा नै जुआरी ?

झूमर अरे सेठा सगो सगै री जड हुवै अै खातर खाली गधडा नै खेत खणावण सू काईं फायदो ? थानै जुडै जिसी रसोई बणा लिया और

(इचियो पाणी लेय र आवै अर बीच मे बोलै)

इचियो बींमे थोडो–सो जमाल घोटो घाल दिया। जानी खावता जासी अर

(बीच मे बोलै)

झूमर इचिया

इचियो लो सा ठण्डो जळ अरोगो।

(इचियो गिलासा मे पाणी घालै)

लूणकरण म्हनै आपरी सगळी सरता मन्जूर है सेठा। कवरसा नै बुलावो। लगतै हाथ म्हैं दस्तूर करतो ई जाऊं।

झूमर बो इया हे सेठा म्हैं रायबहादुर जतनमलजी चोरडिया रो पोतो हू। म्हैं ना तो कैरोई टाबर देखू अर ना म्हे म्हारो टाबर केनैई दिखावा। म्हे आदमी री औकात आदमी रो घराणो अर आदमी री साख देखा।

लूणकरण तो सेठा ओ सोदो बैठै कोनी।

झूमर अरे सेठा टाबर रो काईं देखणों। म्हारो घर देखो। म्हारो धन्धो देखो। मरद रो काईं गोरो अर काईं काळो ?

लूणकरण थारो कैवणो ठीक है झूमरमलजी । पण म्हे टाबर नै देख्या विना दस्तूर आज करा ना काल। ड्राइवर साब

(इचियो आवै)

इचियो अरे सेठा इया आवोडा पाछा जाया करै ? पैला ठडो ठडो जळ अरोगो।

(बीच मे बोलै)

जेठमलजी अरे इचियारामजी । थारी मटक्या फूटगी या थे पाणी री कूण्डी साफ कर रैया हो ? पाणी पा–पाय र पेट नै ढोल

बणा नाख्यो।

(बीच मे बोलै)

झूमर इचिया ! उदीराम किरकेट खेल र आयग्यो ?

इचियो बै किरकेट खेलण नै गया ही कद हा ?

झूमर आयग्या तो लेय र आ, कैयदै थारा सुसराजी आसाम सू पधारिया है।

इचियो अबार लाऊ सेठा ! वै तो बारै आवण खातर कदैई रा बायड मर रैया है।

(इचियो माय जावै)

झूमर अरे ! आप बैठो नी सेठा खडा क्यू होयग्या ? उदीराम आपरो ई टाबर है। वींनै बीस बार देखोनी। देख्या सू उदियो घसीजै थोडी है। आप आराम सू बिराजो। म्हैं बैनै अबार बारै भेजू।

(झूमरमल उठ'र माय जावै। सगळा जणा पाछा बैठ जावै-- थोडी देर मे इचियो उदीराम नै लेय'र बारै आवै)

इचियो देखो उदीबाबू, औ थारा सुसरोजी !

उदीराम म्हारा सुसरोजी ? म्हारो ब्याव कद हुयो ?

इचियो ब्याव तो अबै हुसी। बस हुयो ई समझो।

उदीराम इया किया समझू ? भूखा धाया पतीजै।

इचियो सेठजी थानै आसाम सू देखण नै आया है।

उदीराम इत्ती दूर सू ? रेल रो पास मिलै है ?

(बीच मे बोलै)

इचियो औ बात्या नै छोडो अर पैला सुसरैजी नै मुजरो करो।

उदीराम मुजरो भगतणिया करै।

इचियो ओ हो सुसरैजी रै धोक तो देवा।

उदीराम अरे गैलसफा। धोक भेरूनाथ बाबा रै लागै। फेरी रामदेवजी मराज रै देईजै अर आखा बायाजी रै चढै

इचियो चोखी बात है। सुसरोजी रै पगे लागो।

उदीराम सुसरोजी थोडा खुरडा इनै कस्या।

(उदीराम चारू जणा रै आगै ऊधो सूजावै)

इचियो अरे। उदीबावू इया पगै लागीजै ?

उदीराम म्हैं तन्नै चौखी तरै जाणू– नीं तो तू म्हनै कैवतो अबै आरै लागो अबै आरै लागो। अै खातर म्हैं अेकै सागै चारा रै लाग लियो।

जेठमल वा भाया अमर हुजा।

(बीच मे बोलै)

गुलाब माख्या रै भाग रो।

उदीराम सुसरोजी! आ चडाळ–चौकडी थारै सागै कुण है ?

लूणकरण अे म्हारा साळा बाबू जेठमलजी भुगडी।

उदीराम भुगडी ? म्हे तो भुगडी सूखोडे बोरियै नै बोला। भुगडीजी थे काईं धन्धो करो ?

जेठमल म्हैं बरेली मे बास बेचू।

उदीराम बास ? अबार तो लडाइया चाल री है। बास तो खूब बिकता हुसी ?

(बीच मे बोलै)

लूणकरण अे म्हारा फूफी सुसरा गुलाबचदजी गुलगुलिया।

उदीराम गुलगुलियो ? आ किसी बीमारी हुवै ? खुलखुलिये रै बाबत तो म्हैं सुण राख्यो है।

जेठमल थू थू टाबर तो फूठरो है जीजोसा।

उदीराम फूठरो नीं हुवतो तो थे इत्ती दूर सू म्हनै देखण नै झख मारण नै आवता ?

(इचियो आवै)

इचियो उदीबाबू, सुसरोजी नै इया नी बोलणो।

जेठमल नीं–नीं खुल र बोलो कवर सा।

उदीराम म्हैं तो घणो ई खुल र बोलणो चाऊ पण म्हारो बाप म्हनै बोलण खातर मना कर राख्यो हे।

जेठमल थारै ओ काजळ कुण घाल्यो कवरसा ?

उदीराम इचियो कैवै–काजळ नीं घाल्या डाकण मासी काळजो काढलै।

गुलाब साची बात है कवरसा। थारै कीं हुजावै तो थारै बाप झूमरमल नै लाखू रुपिया रो दायजो कुण देसी ?

लूणकरण थारो नाव काईं है कवरसा ?

उदीराम पैला थारो नाव बताओ।

लूणकरण म्हारो नाव लूणकरण लूणियो।

उदीराम लूणियो जणैई म्हारो पेट दूखे जणे म्हारी मा म्हनै लूणियो नींबू चूसावै।

लूणकरण थारो नाव बताओ कवरसा ?

उदीराम नाव उदीराम पण म्हारो बाप म्हनै उदियो–उदियो कैवै।

जेठमल नाव तो भौत फूठरो है।

उदीराम फूठरो है तो ओ नाव थे राखलो। म्हें दूजो राख लेसू।

लूणकरण नीं–नीं ओ नाव थारो ई ठीक है।

उदीराम *बा थारी मरजी। पछै ना कैया कै म्हारी मनवार नीं करी।*

(बीच मे बोलै)

जेठमल थानै पढणो–लिखणो कईं आवै कवरसा ?

उदीराम देखो भुगडीजी। थे म्हारै मामी सुसरा लागो जणै म्हें थानै साची–साची बताऊ। म्हनै ना तो पढणो आवै अर ना लिखणो पण म्हनै गरुड पुराण जबानी याद है सुणाऊ ?

जेठमल अबार नहीं पाछा आसा जणै सुणसा।

उदीराम पाछा तो म्हारा बडेरा आया तो थे आसो।

गुलाब और कोई काम–काज आवै है थानै ?

उदीराम म्हने खडी साइकिल री हवा काढणी आवै। मिन्दर मे घटिया बजावणी आवै। किन्या उडावणी आवै।

(उठर किन्या उडावण रो अर इचियो लटाई झालण रो एक्सन करै अर पाछा बैठ जावै)

गुलाब और कई–कई आवै आपने ?

उदीराम म्हनै भजन गावणो आवै अेक लेण सुणाऊ ?

जेठमल हा–हा सुणाओ बा पाछ क्यू राखो।

(इचियो मूढै सू तबलै री आवाज काढै अर उदीराम कोजी तरया अरडावै)

मैया मोरी मैं माखण को खायोनी अे गाळ–बाळ भेळा हुय र म्हारै मूढै रै चोपड दियो।

गुलाब वा कवरसा भजन सुण र म्हारा तो रूगटा खडा हुयग्या।

उदीराम थे रूगटा री बात करो। अेक बार म्हैं ओ भजन रामसुखदासजी महाराज री कथा में सुणायो जिको बठै बैठया सगळा लोगडा ऊभा हुयग्या।

जेठमल *भजन रै अलावा और कीं आवै ?*

(बात काट'र बीच में बोलै)

गुलाब बस–बस रैवण दो कवरसा।

उदीराम इया किया रैवण दू ? दो–चार मनै ही कैवण दो। नीं तो मनै अठै सू जावण दो।

लूणकरण हा–हा थे पधारो अर थारै बाप नै बारै भेजो।

उदीराम अबार भेजू। डरू थोडी हूँ।

(उदीराम इचियो माय जावै अर झूमरमल बारै आवै)

झूमर — क्यू सेठा टाबर पसद आयो ?

लूणकरण — टावर तो फूठरो अर घणो ई समझदार है। क्यू गुलाबचन्दजी ?

गुलाब — फूठरो ? इसो फूठरो टाबर तो चालणी ले र ढूढयाई नीं लाधे। क्यू जेठमलजी ?

जेठमल — लाध्या करै । म्हनै जिणी जिकी बाड मे ई बडगी।

लूणकरण — इया है सेठा थारी माग रै अनुसार मारुती रगीन टी वी कूलर फ्रीज सौ भरी सौनो इग्यारा किलो चादी अर सवा लाख रो टीको म्हैं अै गैलसफै छोरै खातर थानै देऊ बैसू बढिया ओ नीं रैवै कै म्हैं म्हारी छोरी नै कोई ऊडो–सो कूओ देख र बैमें धक्को दे दू ?

झूमर — ओ थे काईं कैय रैया हो सेठजी ?

लूणकरण — थानै सरम नहीं आवै ? थे इसी गैलसफी औलाद खातर सवा लाख रो टीको माग रैया हो ? था आगोतर मे खोटा करिया जणै थारै इसी औलाद जलमी। अबै थे आगलो जलम ओरू बिगाड रैया हो। म्हनै तो अठै पूगता ई पतो चालग्यो कै थे कित्ता गन्दा अर लोभी आदमी हो।

म्हैं कैयो म्हारी छोरी काणी है म्हारी छोरी स्कूल सू भाजगी। म्हारी छोरी री नाक पिचकोडी है। पण था कैयो काईं फरक पडै ? क्यू कै थानै छोरी सू कोनी पइसा सू मतलब है। म्हनै रीस तो इसी आ री है कै म्हैं अबार रो अबार पुलिस मे जाऊ। उठो जेठमलजी।

(सगळा जणा घर सू बारै निकळ जावै। उदीराम कमरै मे आवै। झूमरमल उदीराम नै मारण लागै। शरबती आवै)

शरबती — क्यू मारो हो अैनै ?

झूमर — हरामखोर घर मे आवोडी मारुती

शरबती — इत्ती मारुती री भूख है तो टका भाग र लावो क्यू कोनी ? वाबलियो घणो ई छोड र मरियो है।

(इचियो आवै)

झूमर अरे ओ नाईडा ? तन्ने कित्तो कैयो हो कै अे गैलसफै नै चोखी तरे समझा–बुझार बारै लाये।

इचिया म्हें आनै घणा ई समझाया सेठजी पण

(बीच मे बोलै)

उदीराम इचियो झूठ बोलै है बाप ? इचियै म्हारी सामी आख मारी अर म्हें आख रो उलटो मतलब समझग्यो।

(बीच मे बोलै)

शरबती इचिया अे कचरै नै बारै गाया–गोधा नै नाख र आ।

(बिगड र)

झूमर इत्ता सारा फळ–फरूट गाया–गोधा नै नाखीजै ?

(इचियो अर उदीराम फरूट री पेटिया सम्भाळै पण सगळी पेटया मे फरूट री जाग्या खाली कचरो निकळै)

शरबती लो खायलो फरूट ! घाल लो गोडा ऊधा !

झूमर बेईमान इत्ता बदमास निकळ्या इचिया देख र आ बै किसै होटल मे रुक्या है पुलिस मे बे काईं जासी म्हें जाऊ।

(इचियो बारै जावै अर बारणो बाजै शरबती बोलै)

शरबती देख बेटा बारै कुण है ?

उदीराम कोई बाप रो पूछै तो काईं कैवणो है ?

(बीच मे बिगड र बोलै)

झूमर कै दिये कै झूमरमल मरग्यो।

उदीराम मा थारो कोई पूछै तो काईं बोलू ?

शरबती बोल दिये खसम लारै सती हुयगी।

उदीराम और कोई म्हारो पूछै तो ?

(बिगड र)

झूमर बोल दिये बाप री सीढी रै खाधो देवण नै गयो हे।

(थप्पड मारतो बोलै)

गिरण मे हुवोड़ा हिरणाकुस !

शरबती उदियो गिरण मे नीं हुयो छालोडी रो हुवोडो है।

(इचियो बारै जाय र पाछो माय आय र बोलै)

इचियो सेठजी तार आयो है।

(बिगड र)

झूमर गेडियै रै लपेट दै फाटै कोनी।

शरबती तार कैरो है इचिया ?

(बीच मे बोले)

उदीराम म्हारै सुसरैजी आसाम सू भेज्यो है कै म्हनै उदियो पसन्द है।

(मारतो बोलै)

झूमर हरामखोर बाप सू मसखरी करै।

(बीच मे पडती बोलै)

शरबती आजकाल थारा हाथ घणा उठण लागग्या। जणै देखो छोरै नै मारता रैवो।

झूमर अरे ! म्हारो बस चालै तो म्हैं अैरो घाटो मोस नाखू। हरामखोर घर मे आई लिछमी नै ठोकर मार दी। नीं तो म्हैं आज घमण्डीलालजी नै मारुती मे बैठा र घरै लावतो।

शरबती चूचो लागै थारै अर घमण्डीलालजी रै। पेला पढो तो सरी तार कैरो है ?

झूमर इत्ती उतावळी क्यू हो री है ? लव लेटर कोनी।

शरबती काची चाब जाऊ म्हारी सौत नै।

(तार देख'र)

झूमर सुमन री मार्कसीट है। अरे हा आज सुमन कठै बळी है ?

दिनूगै सू दीखी कोनी।

(बीच मे बोलै)

उदीराम वा आपरी दो–तीन भायल्या सागै कोटवाळी गई है।

(वीं टेम ई पुलिस इन्सपेक्टर अेक छोरी नै लेय र घर मे आवै)

पु इन्स झूमरमल चोरडियो कुण है ?

झूमर म्हैं झूमरमल चोरडियो अर आ म्हारी घरआळी।

पु इन्स आ छोरी थारी हे ?

झूमर म्हारी हुवती तो आपरै बाप रै खिलाफ रिपोर्ट थोडी लिखावती ?

पु इन्स आ छोरी रिपोर्ट लिखवाई है कै थे अे छोरी री मरजी रै खिलाफ अैरो ब्याव केई अणपढ गवार छोरै रै सागै कर रैया हो।

झूमर जी बो छोरो घमण्डीलालजी रो इकलोतो छोरो है अर घमण्डीलालजी रै साल रै माय बीस–बीस लाख री फसल हुवै।

पु इन्स छोरी नाबालिग हे और बाल–विवाह कानूनी जुर्म है। अगर था कोई गैरकानूनी काम करयो तो मैं थाने बाल–विवाह कानून रै तहत गिरफ्तार कर लूला अर सुणो म्हारै गया पछै अगर था छोरी नै डराई–धमकाई तो म्हें थानै अठै सू घींसतो–घींसतो कोटवाळी ले जावूला। समझग्या ?

(पुलिस इन्सपेक्टर बारै कानी निकळ जावै)

उदीराम बाप ! इक्कीस तारीख ने म्हैं इक्कीस बरसा रो हुयजासू। अगर सुमन री जाग्या म्हारी पटडी बैठती हुवै तो

(बिगड र मारण लागै)

श्री पवार के नाटकों में सहजता अकृत्रिमता एव मौलिकता है तथा ये रचनाए प्रगतिशील चेतना की अ छी रचनाए हैं। कम पात्रों छोटे छोटे सवादों प्रभावी चरित्र चित्रण एव कथानक से गुफित ये रच ाए समय एव समाजबोध को अगीकार करती हैं। शेक्सपियर का ऑथेला और श्री पवार का धरमेला नाट्य सग्रह तुलनात्मक चित्राकन हैं।

-भवानीशकर व्यास विनोद

श्री सूरजसिहजी पवार हि दी अर राजस्थानी रा चावा अर ठावा नाटककार अभिनेता अर र्दिशक है। वै लारलै पचास बरसा सू राजस्था रै रगमच री सेवा कर रैया है। राजस्थानी नाटका रै लिखारा में श्री पवार आपरै ढग ढाळै रा एक ई नाटककार है। इण क्षेत्र में उणा नै आपा फरदी केय सका। उणा री जोड रो बीजो कोई नाटककार कोनी।

-डॉ श्रीलाल मोहता

श्री सूरजसिंह पवार एक निर्पूण नाटककार सुदक्ष अभिनेता कुशल निर्देशक होने के साथ साथ राजस्थानी एव हिन्दी के सुलेखक हैं। आपके अद्यावधि हिन्दी एव राजस्थानी भाषा में प्रणीत तीस पैंतीस नाटक प्रकाशित हैं। श्री पवार ने अन्वेषण अनुसधान के उस विदेश याज्ञिक की साहित्यिक यात्रा का अपनी सशक्त एव सहज भाषा में भाव समीधा द्वारा आहुति दी है।

मैं आशा करता हूँ कि साहित्य ससार प्रस्तुत नाटक का सम्मान करेगा और श्री पवार उत्तरोतर लेखन द्वारा राजस्थान के गौरव से जन मानस को परिचित करवाते रहेंगे।

-सौभाग्यसिह शेखावत

इणी दीठ सू श्री सूरजसिंह पवार री औ कहाणिया श्री अन्नाराम सुदामा' अर श्री श्रीलाल नथमल जोशी री खेचळ में बधेपो करती लखावै।

अस्तु श्री सूरजसिंह पवार अणूती आधुनिकता री कडप सू कपडधज हुया बिना राजस्थानी लोक समाज री रोजमर्रा जिन्दगी रा चित्राम सहज बतकही रै ढाळै उतारै अर राजस्थानी सारू साधारण पाठक जुटावण जेडो पुन्न रो काम करै। इण पुन्न री सरावणा नीं करणो राजस्थानी रै किणी हैताळू सारू अेक तरै री नुगराई ई कैई जा सकै। म्हैं आ कहाणिया रो भरपूर स्वागत कर र इ णी नुगराई सू बचणो चावू।

-मालचद तिवाडी